राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 10 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–259 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शारदीय नवरात्रों से पहले मां वैष्णो देवी के दर्शन करना होगा महंगा

नई दिल्ली। नवरात्रों से पहले मां वैष्णो देवी के दर्शनों के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बडी़ खबर सामने आई है। माता के दर्शनों के लिए हैलीकॉप्टर से जाने वाले श्रद्धालुओं को अब कटड़ा से सांझी छत के बीच प्रति व्यक्ति 2100 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि दोनों तरफ उड़ान भरने के लिए श्रद्धालुओं को 4200 का भुगतान करना होगा। नए रेट पहले नवरात्रि से लागू होंगे। इससे पहले कटड़ा से सांझी छत तक का एक तरफ का किराया 1830 जबकि दोनों तरफ का 3660 रुपए था। हाल ही में हुए टैंडर के दौरान नया रेट निर्धारित किया गया है जो कि पहले नवरात्रि 16 अक्टूबर से लागू होगा। जिन श्रद्धालुओं द्वारा पहले से ऑनलाइन हैलीकॉप्टर की टिकट बुक की गई होगी उन्हें भी बढ़ा हुआ किराया हैलीपैड पर भरना होगा।

रोजाना करीब दो से ढाई हजार श्रद्धालु सेवा का लाभ उठाते हैं

इससे पहले साल 2020 में कोरोना के दौरान 1170 से 1830 रुपये किराया बढ़ाया गया था। 3 वर्ष के भीतर किराया लगभग दोगुना कर दिया गया है। मौजूदा समय में दो हेलीकॉप्टर कंपनियां ग्लोबल वैक्ट्रा और हिमालयन हेली सेवाएं मुहैया करवा रहीं हैं। बता दें कि रोजाना करीब दो से ढाई हजार श्रद्धालु सेवा का लाभ उठाते हैं। नवरात्र के लिए पहले से आनलाइन एडवांस बुकिंग करवा चुके श्रद्धालुओं को भी तय हुआ नया किराया जमा कराना होगा।

बता दें कि माता वैष्णो देवी के दर्शनों के लिए हर साल 90 से 95 लाख श्रद्धालु आते हैं। गर्मियों में हेलीकॉप्टर की उड़ानें अधिक होती हैं तो सर्दियों में दिन छोटे होने के कारण यह कम हो जाती हैं।

हमास के आतंकियों को तैयार करता है ईरान, इजरायल ने भारत से भी मांगी मदद

भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलन ने कहा है कि आतंकवाद से लड़ने में भारत की बड़ी मदद की जरूरत है। भारत दुनियाभर में प्रभावी देश है। पूरी दुनिया को हमास का विरोध करना चाहिए।

नई दिल्ली। इजरायल न हमास के आतंकी हमले के लिए सीधा-सीधा ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए दुनियाभर के देशों की मदद मांगी है। इजरायल का कहना है कि बिना ईरान की मदद के हमास इतनी हिम्मत नहीं कर सकता। भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलन ने कहा कि आगे इस तरह के हमले को रोकने के लिए उसे भारत जैसे देशों का भी सपोर्ट चाहिए। बता दें कि हमास के अचानक किए गए आतंकी हमले में इजारयल के करीब 1100 लोग मारे गए हैं। इसके बाद इजरायल ने भी गाजा में भयंकर तबाही मचाई और 700 से ज्यादा लोग मारे गए। इजरायली राजदूत ने कहा, यह स्पष्ट है कि ईरान हमले में शामिल था। हम जानते हैं कि ईरान आतंकियों को हथियार और प्रशिक्षण देता है। हमारे पास बहुत पुख्ता सबूत हैं। हम जानते हैं कि पहले भी कई बार ईरान ने हमास को आधुनिक हथियार मुहैया करवाए हैं। उन्होंने कहा कि इजरायल मध्य एशिया में एक बड़ा परिवर्तन करना चाहता था। अरब देशों के साथ सहयोग बढ़ाकर शांति का प्रयास कर रहा था। उन्होंने

भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलन ने कहा कि आगे इस तरह के हमले को रोकने के लिए उसे भारत जैसे देशों का भी सपोर्ट चाहिए। बता दें कि हमास के अचानक किए गए आतंकी हमले में इजारयल के करीब 1100 लोग मारे गए हैं। इसके बाद इजरायल ने भी गाजा में भयंकर तबाही मचाई और 700 से ज्यादा लोग मारे गए।

कहा कि सभी देशों को इन कट्टरपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। गिलन ने कहा कि भारत जैसे देश इस मामले में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल ने किसी खास क्षेत्र में कोई बड़ी मदद नहीं मांगी है। बस हमास के खिलाफ बोलने की जरूरत है। गिलन ने कहा, भारत दुनिया का बेहद प्रभावी देश है इसलिए हमें भारत के दोस्तों के समर्थन की जरूरत है। हम जानते हैं कि आतंकवाद बहुत बडी समस्या है। यह हमारे लिए बहुत जरूरी है कि हम इसके खिलाफ मिलकर कार्रवाई करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही इस हमले की निंदा की थी और कहा था कि भारत इजरायल के साथ खड़ा है। गिलन ने कहा, हो सकता है किआगे कभी बातचीत का रास्ता खुले लेकिन फिलहाल ऐक्शन लेने की जरूरत है। गिलन ने चीन की प्रतिक्रिया पर निराशा जताते हुए कहा कि उसने खुलकर इस हमले की निंदा नहीं की। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में ऐसे आतंकी संगठनों के खिलाफ सबको मिलकर खड़े होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद सिर्फ आतंकवाद है, उसका स्वरूप कोई भी हो सकता है। इसलिए उसकी निंदा करना और ऐक्शन लेना बहुत जरूरी है। गिलन ने यह भी कहा कि आतंकी संगठन ने बहुत सारे इजरायल के लोगों को बंधक बना लिया। बता दें कि इजरायल में लगभग 18 हजार भारतीय रहते हैं जिनमें 900 स्टूडेंट हैं।

दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक खत्म, खड़गे बोले- देशभर में जातीय जनगणना की मांग उठाएंगे

5 राज्यों में पूरी ताकत से जीतेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय में वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। मीटिंग में सोनिया गांधी, अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेस नेता मौजूद रहे। मीटिंग के दौरान खड़गे ने कहा- कल्याणकारी योजनाओं में सही हिस्सेदारी के लिए समाज के कमजोर वर्गों की स्थिति पर सामाजिक-आर्थिक डेटा होना जरूरी। कांग्रेस लगातार देशव्यापी जातीय जनगणना की मांग उठा रही लेकिन इस मुद्दे पर बीजेपी चुप है।

मीटिंग के बाद खड़गे ने क्या कहा...

2024 में सत्ता में आने के बाद हम ओबीसी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुए महिला आरक्षण लागू करेंगे।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव नजदीक आ गए हैं, इसलिए पार्टी के लिए सावधानीपूर्वक समन्वय, अनुशासन और एकता के साथ काम करना महत्वपूर्ण है

हमें राजस्थान, छत्तीसगढ़, एमपी, तेलंगाना, मिजोरम में विधानसभा चुनावों के लिए असरदार रणनीति बनानी होगी।

हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक में निर्णायक जीत के बाद कैडर में नया उत्साह है, इसलिए हम चुनाव जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक देंगे।

इससे पहले 16 सितंबर को हैदराबाद में ष्टङ्खष्ट की बैठक बुलाई गई थी। इस मीटिंग में सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी शामिल हुए थे। मीटिंग में पेश प्रस्ताव में कहा गया था कि केंद्र सरकार राजनीतिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर पूरी तरह विफल रही है। इसमें दावा किया गया था कि भाजपा देश के संवैधानिक और संघीय ढांचे के लिए चुनौती है।

इस बैठक से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि मोदी सरकार महंगाई को रोकने, बेरोजगारी, मणिपुर हिंसा और असमानता के मुद्दे पर पूरी तरह फेल रही है। खड़गे ने ये भी कहा कि जिस तरह से इंडियन नेशनल इनक्लूसिव अलायंस (ढ्ढ.ह्र.ष्ठ.ढ्ढ.) को कामयाबी मिल रही है, भाजपा सरकार विपक्षी दलों पर कार्रवाई करने में लगी है।

हैदराबाद में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक शुरू होने से पहले राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस दौरान खड़गे और सोनिया गांधी मौजूद रहीं।

सिक्किम के लाचेन और लाचुंग में 3000 से अधिक लोग फंसे, बाढ़ के 5वें दिन भी राहत नहीं

गंगतोक। सिक्किम में 4 अक्टूबर को आई विनाशकारी बाढ़ ने कई लोगों की जिंदगियां लील ली। इस बाढ़ में मरने वालों की संख्या 82 हो गई है। अधिकारियों ने कहा कि सिक्किम में अचानक आई बाढ़ के पांच दिन बाद भी 3,000 से अधिक लोग, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं, हिमालयी राज्य के लाचेन और लाचुंग कस्बों में फंसे हुए हैं। अभी वे लोग स्थानीय लोगों की मदद के भरोसे हैं। उन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है। वहां पहुंचने की कोशिश की जा रही है। मंगन जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम चुंगथांग तक पहुंचने में कामयाब रहे हैं जहां से सड़क दो रूट में विभाजित होती है - एक लाचेन की ओर और दूसरी लाचुंग की ओर। लेकिन चुंगथांग से परे ये दोनों शहर

अभी भी राहत और बचाव कर्मियों के लिए पहुंच से बाहर हैं। वहां अब भी करीब 3,000 लोग फंसे हुए हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा उनकी मदद की जा रही है।

लाचेन गुरुडोंगमार झील जाने वाले पर्यटकों के लिए आधार है, जो 17,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित एक उच्च ऊंचाई वाली झील है, जबकि लाचुंग युमथांग घाटी की ओर जाने वाले पर्यटकों के लिए रुकने का स्थान है। मंगलवार की रात उत्तरी सिक्किम में एक हिमनदी झील के फटने से बुधवार तड़के तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ में कम से कम 82 लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 140 लोग लापता हैं।

उत्तरी सिक्किम में मंगन जिला, जहां ये दोनों शहर स्थित हैं, सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। सिक्किम सरकार के नवीनतम अनुमान से पता चलता है कि अकेले जिले में लगभग 50 गांव और कस्बे प्रभावित हुए हैं और 30,000 से अधिक लोगों को नुकसान झेलना पड़ा। जिले में कम से कम चार लोग मारे गए हैं और एक दर्जन से अधिक लोग लापता हैं।

चुंगपांथ को पेगोंग से जोड़ने के लिए अस्थायी पुल

एक अधिकारी ने कहा, एनडीआरएफ कर्मियों सहित एक राहत और बचाव दल शुक्रवार रात पहली बार चुंगथांग पहुंचने में कामयाब रहा, आईटीबीपी कर्मियों ने शनिवार को ज़िप-लाइन का उपयोग करके 56 लोगों को बचाया।÷ चुंगथांग को पेगोंग से जोड़ने के लिए सेना और स्थानीय स्वयंसेवकों द्वारा एक अस्थायी बांस पुल बनाया गया है। सेना वहां एक और पुल का निर्माण कर रही है। अस्थायी बांस पुल फंसे हुए पर्यटकों और स्थानीय लोगों को चुंगथांग से दूसरी तरफ ले जाने में सक्षम होगा।

हरियाणा के पर्यटकों का वाहन खाई में गिरने से सात की मौत, 24 घायल

नैनीताल। हरियाणा के हिसार से नैनीताल घूमने आये पर्यटकों का वाहन रविवार देर शाम खाई में गिरने से सात पर्यटकों की मौत हो गयी जबकि 24 लोग घायल हो गये। घायलों को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीएन मीणा के अनुसार हरियाणा के हिसार से पर्यटकों का एक दल कुछ दिन पूर्व नैनीताल घूमने आया था। पर्यटकों का दल आज देर शाम को वापस लौट रहा था। इसी दौरान नैनीताल-कालाढूंगी मार्ग पर उनका वाहन घटगड़ के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर गहरी खाई में जा गिरा। वाहन में 31 लोग सवार थे। इस दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में चालक समेत पांच महिला एवं एक बच्चा शामिल हैं। सभी घायलों को खाई से निकाल कर सुशीला तिवारी अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटना की अन्य वाहन चालकों की ओर से पुलिस को दी गयी। तत्काल नैनीताल, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) कालाढूंगी थाना के अलावा हल्द्वानी की पुलिस को मौके के लिये रवाना किया गया। एसएसपी मीणा भी स्वयं मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य को संचालित किया। अंधेरा होने के चलते राहत कार्य में कुछ दिक्कतें आयी।

पुलिस ने जनरेटर की व्यवस्था की और राहत एवं

बचाव कार्य संचालित किया। इसके बाद बमुश्किल घायलों और शवों को खाई से बाहर निकाला जा सका। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पायी है जबकि घायलों में अधिकांश हिसार के रहने वाले हैं। जिलाधिकारी वंदना ने भी सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंच कर घायलों का हाल जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

नदियों के संरक्षण-वन क्षेत्र बढ़ाने को इको टास्क फोर्स बटालियन चाह रहीं राज्य सरकारें

नई दिल्ली। गंगा-यमुना जैसी बड़ी नदियों के संरक्षण का जिम्मा संभालने से लेकर पेड़-पौधे लगा नए वन क्षेत्र विकसित करने के लिए कई राज्य सरकारें प्रादेशिक सेना (टेरिटोरियल आर्मी) की विशेष इकोलॉजिकल टास्क फोर्स की तैनाती में गहरी रूचि दिखा रहे हैं। छत्तीसगढ, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड समेत कुछ राज्यों ने वन क्षेत्र बढ़ाने और गंगा के संरक्षण के लिए अपने यहां इस टास्क फोर्स की अतिरिक्त बटालियन तैनात करना चाहती हैं।

इकोलॉजिक टास्क फोर्स की मदद से पर्यावरण संरक्षण

वहीं, दिल्ली ने यमुना नदी की सफाई और संरक्षण को गति देने के लिए एक और इकोलॉजिकल टास्क फोर्स बटालियन देने का अनुरोध किया है। प्रादेशिक सेना के इकोलॉजिक टास्क फोर्स के पर्यावरण संरक्षण

के साथ नए हरित वन क्षेत्र विकसित करने में बीते 40 सालों में हासिल की गई महारत को देखते हुए राज्य सरकारें अपनी नदी और वन संरक्षण परियोजनाओं के लिए इन्हें जिम्मेदारी देते हुए भरोसा जता रही हैं।

इको टास्क फोर्स बटालियन का किया जा रहा गठन

रक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े सूत्रों ने कहा कि इस क्रम में आ रहे राज्यों के अनुरोध को स्वीकार कर उनकी जरूरतों के अनुरूप इको टास्क फोर्स बटालियन का गठन किया जा रहा है। सोमवार को अपनी स्थापना के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रही प्रादेशिक सेना युद्ध ओर शांति के समय में अपने मानवीय कार्यों के लिए विशेष रूप से जानी जाती है और पर्यावरण संरक्षण उसके कार्यों का अहम हिस्सा है।

गंगा की सफाई

सूत्र ने कहा कि गंगा की स्वच्छता के लिए चल रहे अभियानों में इको टास्क फोर्स उत्तरप्रदेश से लेकर उत्तराखंड और बिहार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा जिसमें गंगा घाटों की सफाई से लेकर उसमें गंदगी डालने से रोकने का अहम जिम्मा भी है। गंगा की सफाई के लिए इन राज्यों से इको टॉस्क फोर्स की तैनाती में बढ़ोतरी का अनुरोध आ रहा है। गंगा टास्क फोर्स गंगा नदी के किनारे तैनात है और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के हिस्से के रूप में जल शक्ति मंत्रालय के साथ मिलकर इसके संरक्षण और कायाकल्प की दिशा में काम कर रहा है।

दिल्ली के लिए अतिरिक्त यमुना इको टॉस्क फोर्स बटालियन की मांग

वहीं, दिल्ली के उपराज्यपाल ने तो युमना की सफाई के लिए एक अतिरिक्त यमुना इको टॉस्क फोर्स बटालियन की मांग की है और इसलिए इसका गठन किया जा रहा है। मालूम हो कि जो राज्य इको टॉस्क फोर्स की बटालियन की मांग करता है उसका पूरा खर्च उसे ही वहन करना होता है।

बालासोर ट्रेन हादसे में 28 शव लावारिस, बीएमसी नगर निगम को सौंपेगी डेडबॉडी, आज किया जाएगा अंतिम संस्कार

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर में ट्रिपल टेन एक्सीडेंट को चार महीने हो चुके हैं। इस हादसे में 297 लोगों की मौत हुई थी। जिसमें 269 शवों को उनके घरवाले ले गए। अभी 28 शव ऐसे हैं जिन्हें लेने कोई नहीं आया। अब इन लावारिस शवों के दाह संस्कार का जिम्मा भुवनेश्वर नगर निगम को सौंपा जा रहा है। BMC के अधिकारियों ने रविवार से 28 अज्ञात शवों को डिकंपोज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नगर निगम ने इन शवों को वैज्ञानिक तरीके से डिकंपोज करने के लिए एक SOP जारी की है।

CBI अधिकारियों की मौजूदगी में निगम को सौंपे जाएंगे शव

BMC मेयर सुलोचना दास ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा- शवों को CBI अधिकारियों की मौजूदगी में निगम को सौंप दिया जाएगा। हम मंगलवार को दाह संस्कार की योजना बना रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि ट्रेन दुर्घटना की जांच कर रही CBI ने खुर्दा जिला कलेक्टर को लेटर लिखकर शवों को डिकंपोज करने को कहा था। जून में हुई दुर्घटना के बाद से शव एम्स भुवनेश्वर में रखे गए थे। बीएमसी की तरफ से जारी एसओपी के मुताबिक, पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाएगी।

डीप फ्रीजर कंटेनरों में रखे गए थे शव– एम्स भुवनेश्वर में 162 शव रखे गए थे और उनमें से 81 को मृतकों के परिवार को सौंप दिया गया था। बाद में, DNA टेस्ट के बाद अन्य 53 शव परिवार के सदस्यों को दे दिए गए, लेकिन 28

डेडबॉडी को लेने कोई नहीं आया। शवों को पारादीप पोर्ट ट्रस्ट से खरीदे गए कम से कम पांच डीप फ्रीजर कंटेनरों में रखा गया था।

ऐसे हुआ था हादसा

2 जून की शाम को चेन्नई जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस मेन लाइन की बजाय लूप लाइन में चली गई, जहां मालगाड़ी खड़ी थी। ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई। कोरोमंडल और मालगाड़ी की कुछ बोगियां बगल के ट्रैक पर बिखर गईं। इसके थोड़ी देर बाद ही ट्रैक पर बिखरे डिब्बों से हावड़ा-बेंगलुरु एक्सप्रेस टकरा गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हादसे में 293 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और 1100 से ज्यादा लोग घायल हुए।

हादसे में CBI की चार्जशीट में तीन रेलवे अफसरों के नाम हैं। तीनों पर गैर-इरादतन हत्या और सबूत मिटाने के आरोप हैं। इनमें सीनियर सेक्शन इंजीनियर अरुण कुमार मोहंता, सेक्शन इंजीनियर मोहम्मद आमिर खान और टेक्नीशियन पप्पू कुमार शामिल हैं। 7 जुलाई को CBI ने तीनों आरोपियों को अरेस्ट किया था। 11 जुलाई को कोर्ट ने इन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

तीनों आरोपी जानते थे कि उनकी लापरवाही से हादसा हो सकता है- CBI

चार्जशीट में जिन तीन रेलवे अफसरों के नाम हैं उनके बारे में CBI ने जुलाई में कहा था कि तीनों जानते थे कि उनकी लापरवाही से बड़ा हादसा हो सकता है। दुर्घटना की जांच कर रहे रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने जुलाई के शुरुआती हफ्ते में हादसे के लिए सिग्नलिंग विभाग के कर्मचारियों की मानवीय भूल को जिम्मेदार ठहराया था।

बिना अप्रूवल पटरी रिपेयरिंग की वजह से हादसा हुआ

CBI ने भुवनेश्वर की स्पेशल कोर्ट में 24 अगस्त को अपनी रिपोर्ट पेश की थी। इसमें जांच एजेंसी ने बताया कि पटरी पर बिना अप्रूवल हो रहे मरम्मत कार्य की वजह से ट्रेन हादसा हुआ था।

इससे पहले बहनागा बाजार स्टेशन के लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 94 पर बिना मंजूरी के मरम्मत का काम किया गया था। ष्टक्चढ्ढ ने कहा कि सीनियर डिविजनल सिग्नल और टेलिकॉम इंजीनियर की मंजूरी के बिना ही वहां रिपेयरिंग वर्क हुआ था। इसके लिए सर्किट डायग्राम भी पास नहीं कराया गया था।

अपने कार्यकताओं को सिर आंखों पर बैठाते थे मुलायम सिंह यादव!

पहली पुण्यतिथि पर विशेष

डॉ श्रीगोपाल नारसन

मुलायम सिंह यादव साहित्यकारों का बेहद सम्मान करते थे।वे अपने कार्यकताओं को सम्मान देना भी नही भूलते थे।संकट के समय कार्यकर्ता का साथ वे कभी नही छोड़ते थे।उन्होंने गीतकार गोपाल दास नीरज व शायर नवाज देवबंदी को मंत्री का दर्जा देकर जहां कलम को अहमियत दी वही अपने कार्यकताओं को नीचे से उठाकर गले लगाना उन्हें अच्छे से आता था।इसी कारण उनके कार्यकर्ता उनपर जान छिड़कते थे।नेताजी को अलविदा हुए एक साल हो गया है फिर भी हर कार्यकर्ता उन्हें आज भी याद करता है।

उत्तर प्रदेश की ही नही देश की राजनीति में समाजवाद का प्रतिनिधित्व कर सामाजिक समानता और वंचितों के हक की लड़ाई लड़ने वाले दबंग नेता मुलायम सिंह यादव अपने कार्यकताओं को हमेशा सिर आंखों पर बैठाकर रखते थे।उन्होंने साहित्यकारों को जहां भरपूर सम्मान दिया वही अपने यादव समाज को भी आगे बढाने में कोई कसर बाकी नही छोड़ी।यहां तक कि अपने पैतृक गांव सैफई को भी विकास के नक्शे पर लाकर खड़ा कर दिया।गत वर्ष आज ही के दिन उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री,देश के पूर्व रक्षा मंत्री एवं समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव का दुःखद निधन हो गया था।मुलायम सिंह यादव ने राजनीति में लंबी पारी खेली थी। सन 2012 में अपनी सक्रिय राजनीति की आखिरी लड़ाई लड़ते हुए सपा अध्यक्ष के तौर पर मुलायम सिंह ने पार्टी को भारी जीत दिलाई थी और अपने बेटे अखिलेश यादव को सत्ता की कमान सौंप दी थी। लेकिन उनके जीवन में एक ऐसा वक्त भी आया जब उन्होंने बेटे अखिलेश यादव और भाई रामगोपाल यादव को सपा से निकालने का एलान कर डाला था। इसके बाद अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव के बीच टकराव का एक पूरा दौर चला।जो अब उनकी मौत के साथ ही समाप्त हो गया है।

मुलायम सिंह की राजनीति दशक साठ के दौर में परवान चढ़ी थी। सन 1967 में जब लोहिया के नेतृत्व में 9 राज्यों में पहली बार गैरकांग्रेसी सरकारें बनी थीं, तब मुलायम सिंह यादव यूपी विधानसभा के लिए चुने गए थे।मुलायम सिंह यादव सन 1989 में पहली बार यूपी के मुख्यमंत्री भी बने थे। लेकिन 1991 में जनता दल टूटा गया था।सन 1993 में उन्होंने फिर यूपी में सरकार बनाई, ये सरकार भी मायावती के साथ टकराव के बीच कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी।

तीसरी बार वे सन 2003 में मुख्यमंत्री बने और 2007 तक इस पद पर बनें रहे।90 के दशक का समय मुलायम सिंह यादव का सबसे चुनौती भरा था। राम मंदिर से जुड़ी सांप्रदायिक राजनीति की लड़ाई यूपी की जमीन पर लड़ी जा रही थी।सन 1990 में अयोध्या में गुंबदों पर कारसेवकों पर चली गोली ने उनके राजनीति सफर पर असर डाला। जबकि ये बात कभी साफ नहीं हुई कि उस गोलीकांड में कितने लोग मारे गए थे। सन1992 में बाबरी मस्जिद गिरा दी गई और कल्याण सिंह सरकार बर्खास्त कर दी गई।सन 1993 में कांशीराम की बसपा के साथ मिलकर उन्होंने दलितों और पिछड़ों की जो ऐतिहासिक गोलबंदी की, उसका असर ये हुआ कि यूपी में बीजेपी को पीछे छोड़ सपा-बसपा की सरकार बन गई। लेकिन ये दोस्ती ज्यादा नहीं टिक पाई। बसपा इसके बाद बीजेपी के साथ हाथ मिलाती और सरकार बनाती नजर आई.केंद्रीय राजनीति में पहली बार संयुक्त मोर्चे की सरकार बनी।सन 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी की तेरह दिनों की सरकार के जाने के बाद देवगौड़ा के नेतृत्व में जो सरकार बनी, उसमें मुलायम रक्षा मंत्री बनाए गए। लेकिन इसके बाद संयुक्त मोर्चा भी बिखरा, सपा की राजनीति भी बिखरी. 1999 में उन पर सोनिया गांधी से वादाखिलाफी का आरोप लगा जब संसद में अविश्वास मत के दौरान मुलायम अलग नजर आए.

शिकोहाबाद क्षेत्र के गांव इटोली में रहकर मुलायम सिंह यादव ने पढ़ाई की थी।नेताजी ने इसी गांव में रहकर कुश्ती के दांव-पेंच सीखे। मुलायम सिंह यादव का पूरा परिवार इटावा के सैफई से पहले फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद क्षेत्र के गांव इटोली में रहता था, लेकिन नेताजी के बाबा मेवाराम सैफई जाकर रहने लगे।फिर वहीं मुलायम सिंह यादव के पिताजी सुघर सिंह का जन्म हुआ। मुलायम सिंह यादव का जन्म भी सैफई में ही हुआ, लेकिन उनका वहां बहुत कम मन लगता था, इसलिए वह अपने पैतृक गांव ईटोली में आ जाते थे और काफी दिनों तक इसी गांव में रहते थे। बीच-बीच में वह सैफई चले जाते थे। उन्होंने इटोली गांव में रहकर आदर्श कृष्ण कॉलेज में पढ़ाई की। वे अपने मित्रों के साथ इटोली गांव से पैदल-पैदल उस समय शिकोहाबाद स्थित आदर्श कृष्ण कॉलेज में पढ़ाई करने आते थे।अगर मुलायम सिंह यादव के खाने की पसंद की बात करें तो उन्हें खाने में सबसे ज्यादा मक्के की रोटी और चने का साग पसंद था। पढ़ाई के साथ-साथ मुलायम सिंह यादव गांव में रहकर गांव के युवकों के साथ पशु चराने भी जाते थे। इस गांव में मुलायम सिंह आखिरी बार सन2014 में आए थे, जब उनके चचेरे भाई गिरवर सिंह की तबीयत खराब थी।मुलायम सिंह यादव साहित्यकारों का बेहद सम्मान करते थे।वे अपने कार्यकताओं को सम्मान देना भी नही भूलते थे।संकट के समय कार्यकर्ता का साथ वे कभी नही छोड़ते थे।उन्होंने गीतकार गोपाल दास नीरज व शायर नवाज देवबंदी को मंत्री का दर्जा देकर जहां कलम को अहमियत दी वही अपने कार्यकताओं को नीचे से उठाकर गले लगाना उन्हें अच्छे से आता था।इसी कारण उनके कार्यकर्ता उनपर जान छिड़कते थे।नेताजी को अलविदा हुए एक साल हो गया है फिर भी हर कार्यकर्ता उन्हें आज भी याद करता है।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है।)

संपादकीय

जल्द सुलटाना होगा तनाव

गाजापट्टी में सत्तारूढ़ चरमपंथी हमास ने शनिवार तड़के इस्राइली शहरों पर अप्रत्याशित हमला करते हुए दो सौ से ज्यादा इस्राइली नागरिकों की हत्या कर दी। हमले में 1100 से ज्यादा व्यक्ति घायल हुए। हमास के सैकडों लड़ाके हवाई, जमीनी और समुद्र के रास्ते इस्राइली सीमा में घुस गए। जवाबी कार्रवाई में इस्राइल के सैनिकों ने गाजा पट्टी में 198 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। सोलह सौ से ज्यादा घायल हुए। हमास के 'ऑपरेशन अल-अक्सा स्टॉर्म' के तहत इस्राइल पर ताबड़तोड़ हमलों के जवाब में यहूदी देश इस्राइल ने 'ऑपरेशन आयरन स्वोर्ड' की घोषणा की है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि 'हम युद्धरत हैं। हमास ऐसी कीमत चुकाएगा जैसी उसने सोची भी न होगी।' प्रमुख यहूदी अवकाश के रोज हमास के लड़ाकों ने इस्राइली शहरों पर हजारों रॉकेट दागे और इस्राइली सैनिकों और नागरिकों को बंधक बनाकर गाजा ले गए। बंधक

बनाए गए लोगों की संख्या अभी अज्ञात है। इस बीच, इस्राइली इलाकों में हमास की गोलीबारी जारी है, और इस्राइल ने भी गाजा पट्टी पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। हमास के एक शीर्ष सूत्र के मुताबिक, बंधक बनाए गए इस्राइली सैनिकों और नागरिकों का इस्तेमाल इस्राइली जेलों में बंद फिलस्तीनी बंदियों को मुक्त कराने के लिए अदला बदली की सौदेबाजी में किया जाएगा। भारत समेत पश्चिमी देशों ने हमले की निंदा करते हुए इस्राइल के प्रति समर्थन जताया है। गौरतलब है कि इस्राइल में भारत के 18 हजार के करीब भारतीय नागरिक हैं, और भारतीय मूल के लगभग 85 हजार यहूदी आबाद हैं। भारत ने अपने नागरिकों को 'सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए सतर्कता' बरतने की एडवाइजरी जारी की है। जिस तरह एकाएक इस्राइली शहरों पर हमास के लड़ाकों ने हमला किया है, उसे देख कर लगता है कि हमले पूरी तैयारी के साथ किए गए। इस्राइल में यह गंभीर आक्रमण सिमकैट टोरा के दिन किया गया तो इस्राइल में खुशी का ऐसा दिन है जब यहूदी 'टोरा स्क्रॉल' पढ़ने का वाषिर्क चक्र पूरा करते हैं। इस हमले से पचास साल पहले 1973 के युद्ध की यादें ताजा हो गई जिसमें इस्राइल के दुश्मनों ने यहूदी कैलेंडर के सबसे पवित्र दिन योम किप्पुर पर चौंकाते हुए हमला किया था। गौरतलब है कि हमास और इस्राइल के बीच इस टकराव के बड़े संघर्ष में तब्दील होने का खतरा पैदा हो गया है। लेबनॉन, ईरान जैसे मुस्लिम भाईचारा से प्रेरित चरमपंथी देशों के बीच में कूद पड़ने का अंदेशा है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुत- उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रात- स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती।

आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंत-स्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंत-प्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंत-गतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

दुनिया के देश तृतीय विश्व युद्ध के मुहाने पर?

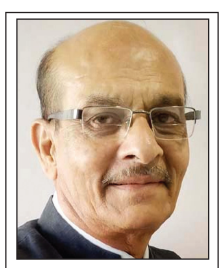

सनत जैन

फिलिस्तीन आतंकियों ने इजराइल में हमला कर दिया। इजराइल अप्रैल से उकसा रहा था हमास को। ताजा हमले के संकेत अप्रैल से मिलने लगे थे। वेस्ट बैंक इलाके में बार-बार इजराइली सैन्य अभियान चलाए जा रहे थे। उसके बाद गाजा ने इजराइल को उसी भाषा में जवाब देना तय किया। मई में इजराइल और हमास में छोटी झड़प हुई। इजराइली हवाई हमलों में हमास के 3 नेता मारे गए। मिस्त्र, यूएन की मध्यस्थता से संघर्ष विराम हुआ था। उसके बाद फिर संघर्ष हुआ। आतंकी संगठन हमास ने दुनिया के सबसे मजबूत डिफेंस सिस्टम वाले इजराइल पर शनिवार की सुबह हमला किया। इसमें 5000 से ज्यादा रॉकेट दागे गए, एक ही झटके में सैकड़ो इजरायली नागरिकों की मौत हो गई। हमास के आतंकवादियों ने बुलडोजर से मजबूत दीवार को ढहाकर इजराइल में घुस कर सैकड़ो लोगों का अपहरण कर लिया। यह भी कहा जा रहा है, कि महिलाओं को नग्न कर उनके साथ हैवानियत भी की। घरों में घुसकर गोलियों से परिवार को भून डाला। कुछ महिलाओं को अगवा कर गाजापट्टी ले गए। आतंकवादियों का दावा है, कि उन्होंने इतने इजराइली नागरिकों का अपहरण कर लिया है। उसके बदले वह इजरायल की जेल में बंद अपने सभी कैदियों को छुड़ा सकते हैं। इजराइल का डिफेंस सिस्टम सबसे मजबूत माना जाता था। इजरायल की इंटेलीजेंस इस हमले से पूरी तरह से विफल साबित हुई। पूरी दुनिया को सेंसर सर्विलांस उपकरण, एंटी ड्रोन मशीनरी और एंटी मिसाइल तंत्र के उपकरण और हथियार बेचने वाला इजरायल जब अपने ही देश की सुरक्षा नहीं कर पाया। निश्चित रूप से आने वाले समय में इजरायल ने जो दावे कर रखे थे। वह पूरी तरीके से गलत साबित होते हुए दिख रहे हैं। इस हमले से दुनिया के देश मुस्लिम-ईसाई और यहूदी के बीच धार्मिक आधार पर बंटते हुए नजर आ रहे हैं। यूरोप और ईसाई धर्म मानने वाले देश, इजराइल को समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं ईरान सहित अन्य मुस्लिम देश हमास संगठन के पक्ष में खड़े हो रहे हैं। इजराइल ने गाजापट्टी के ऊपर जवाबी हमला किया। इजराइल का दावा है, कि उसने भी सैकड़ो लोगों को मार गिराया है। हजारों लोग घायल हो गए हैं। यह हमला ऐसे समय पर किया गया है, जब इजराइल और फिलीस्तीन के पहले हमले के 50 साल पूरे हुए है। हमास संगठन के सैकड़ो लोग इजरायल की जेलों में बंद है। हमास संगठन उन्हें छुड़ाने का लंबे समय से प्रयास कर रहा था। हमास को सफलता नहीं मिल रही थी। यहूदी लोग इस दिन उपवास करके प्रायश्चित करते हैं। पिछले 50 वर्षों में हमास और इजरायल के बीच चार युद्ध हो चुके हैं। यरूसलम स्थित अल अक्सा मस्जिद है। दोनों ही धार्मिक समुदाय के लोग इस पर दावा करते हैं। मक्का और मदीना के बाद यह इस्लाम का तीसरा सबसे पवित्र स्थल माना जाता है। 70 के दशक में दोनों देशों के बीच सहमति बनी थी, कि गैर मुसलमानों को मस्जिद परिसर में आने की इजाजत होगी। लेकिन वह यहां पर प्रार्थना नहीं कर पाएंगे। यहूदियों द्वारा पिछले कुछ समय से मस्जिद में प्रार्थना करने की कोशिश की गई थी। जिसके कारण यह तनाव बढ़ गया। धार्मिक आधार पर यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का एक आधार बनता हुआ दिख रहा है। जितने भी देश हैं, इन दिनों आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। सत्ता में अपनी पकड़ को मजबूत बनाए रखने के लिए वह धार्मिक आधार को मजबूत करना चाहते हैं। ताकि जनता, सत्ता के खिलाफ विद्रोह ना कर सके। इजराइल भी इस समय घरेलू मोर्चे पर स्थानीय जनता के विरोध का सामना कर रहा है। न्यायिक शक्तियों को कम करने के कारण इजराइल में नागरिक सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। इसी कमजोरी का लाभ उठाकर हमास ने इजराइल पर हमला कर दिया। हमास के दो ही मुख्य उद्देश्य हैं, कि मस्जिद में गैर मुसलमान प्रार्थना नहीं करें। दूसरा इजरायल की जेलों में जो फिलिस्तीन के नागरिक बंद है, उन्हें रिहा किया जाए। भारत की भूमिका अभी तक एक निष्पक्ष देश के रूप में दोनों देशों के बीच समन्वय बनाने की होती थी। 2014 के बाद इजरायल के साथ भारत के बहुत गहरे रिश्ते बने हैं। उसको देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान भारत की मुश्किल बढ़ा सकता है। जिसमें उन्होंने कहा, कि हम इस मुश्किल की घड़ी में इजरायल के साथ हैं। इससे भारत की जो निष्पक्ष भूमिका होती थी। उसमें अब अंतर आ जाएगा है। भारत भी ईसाई समर्थक और मुस्लिम विरोध का पक्ष बनकर खडा हो गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका इस समय जीरो है। जिस तरह से अमेरिका चीन और रूस के बीच में तनाव बना हुआ है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बाद यूरोपीय देशों और अन्य देशों के बीच में तनाव देखने को मिल रहा है। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई एक तरह से यहूदी-ईसाई और मुसलमानों की बीच की लड़ाई के रूप में परिवर्तित होती दिख रही है। आर्थिक कारणों से दुनिया के लगभग सभी देशों में सत्ता के खिलाफ आम जनता का गुस्सा देखने को मिल रहा है। ऐसी स्थिति में भारत जो अभी तक एक निर्गुट और निष्पक्ष देश के रूप में अपनी भूमिका को बनाए रखता था। अब उस भूमिका से बाहर निकाल कर भारत भी एक पक्षकार बन रहा है। इसके परिणाम भारत के लिए सुखद होंगे या विनाशकारी होंगे, यह कहना मुश्किल है। जब दो पक्षों के बीच में लड़ाई होती है, तो दोनों ही पक्षों को नुकसान होना तय होता है। भारत के खाड़ी देशों के साथ बहुत अच्छे आर्थिक और व्यापारिक संबंध है। यदि इजराइल को लेकर संबंधों में खटास आती है, तो इसके दुष्परिणाम भी भारत को झेलने पड़ेंगे। यह आशंका भी व्यक्त की जाने लगी है, कि जिस तरह से दुनिया के देशों में तनाव बढ़ा है। रूस और यूक्रेन के बीच कई महीनो से युद्ध चल रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका नकारात्मक रही है। ऐसी स्थिति में आशंका व्यक्त की जा रही है, कि क्या तृतीय विश्व युद्ध की रणभूमि दुनिया के देशों के बीच में तैयार हो रही है। यदि ऐसा हुआ, तो दुनिया के सभी देशों को इसके बहुत ही घातक परिणाम भुगतने के लिए तैयार हो जाना चाहिए।

जाति सर्वेक्षण : समाज में संघर्ष या समाधान

डॉ. सरिता कुमारी

कोई भी देश सही अर्थों में विकसित और सफल राष्ट्र की श्रेणी में तभी आता है, जब समाज के सभी वर्गों का कल्याण सुनिश्चित किया जाता है।

भारतीय समाज में अधिकांशतः आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक पिछड़ापन जाति से जुड़ा हुआ है। हाल के दिनों में विभिन्न राजनीतिक दलों एवं समाज के विभिन्न वगरे द्वारा जातिगत जनगणना की मांग की गई है। भारत में 1941 जातिगत जनगणना हुई थी पर उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340 में सामाजिक-शैक्षिक रूप से पिछड़े वगरे के लिए आयोग बनाने का उल्लेख किया गया है, जिसका उद्देश्य सामाजिक-शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े वगरे की दशाओं को सुधारना है। सामाजिक न्याय और समरसता के लिए जाति की आंकड़े और जातियों की पहचान जरूरी है।

लेकिन हम जाति की संख्या जानकर समानता की राह पर बढ़ेंगे लेकिन इनसे अंतरजातीय प्रतिस्पर्धा और अंतहीन सामाजिक संघर्ष भी बढ़ेगा। बेशक, सच यह भी है कि कोई सामाजिक वर्ग शोषण का शिकार है तो उसे समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए उसकी संख्या, सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक स्थिति का अध्ययन किया जाना चाहिए। बिहार पहला राज्य है जहां जातिगत जनगणना हुई और 2 अक्टूबर, 2023 को उसकी रिपोर्ट भी सार्वजनिक कर दी गई। वर्तमान में, उदारीकरण के बाद राज्य विकास के कई विकल्पों से स्वयं को अलग कर रहा है। राज्य अब सबसे बड़ा नियोक्ता भी नहीं रहा। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, आवास और आहार जैसी मूलभूत आवश्यकताएं निरंतर नवउदारवाद की मार झेल रही हैं। हम नई चुनौतियों के नये समाधान खोजने की बजाय पुराने समाधान में ही उलझे रहना चाहते हैं। देश का समावेशी विकास केवल जाति के आधार पर ही नहीं हो सकता। जाति जनगणना से वोट बैंक की राजनीति को बल मिलेगा। जाति जनगणना के क्रियान्वयन से पहले, इसके हासिल के बारे में भी विचार कर लेना चाहिए।

ऐसा न हो कि एक सामाजिक समस्या को बेहतर बनाने के लिए अन्य दूसरी गंभीर सामाजिक समस्या को बढ़ावा मिले। बेहतर सामाजिक समरसता के लिए समाज के विभिन्न वगरे में संतुलन बनाना भी आवश्यक है। जाति जनगणना की मांग को और गति मद्रास उच्च न्यायालय के एक फैसले ने दी है, जिसमें इसे आवश्यक बताया गया है। वर्तमान भाजपा सरकार जातीय जनगणना के पक्ष में नहीं है। जातीय जनगणना के फायदों को लेकर नेताओं के अपने-अपने तर्क हैं। कुछ का कहना है कि जातीय जनगणना के आंकड़े से पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देकर उन्हें सशक्त बनाया जा सकता है। यह भी तर्क दिया जाता है कि जातीय जनगणना से किसी भी जाति की आर्थिक, सामाजिक और शिक्षा की वास्तविकता का पता चल पायेगा। इससे उन जातियों के लिए विकास की योजना बनाने से आसानी होगी।

जहां एक तरफ जातीय जनगणना से फायदे हैं, वहीं इसके नुकसान भी हैं। नुकसान कई तरह के हो सकते हैं। यदि किसी समाज को पता चलेगा कि देश में उनकी संख्या घट रही है, तो समाज के लोग अपनी संख्या बढ़ाने के लिए अग्रसर होंगे। इससे देश की आबादी में तेजी से वृद्धि होगी। जातीय जनगणना से सामाजिक ताना बाना बिगड़ने का भी खतरा रहता है। 1951 में भी तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने यही बात कहकर जातीय जनगणना के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। जातीय जनगणना के पीछे कुल मिलाकर एक राजनीतिक खेल चल रहा है। 2010 में जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब भाजपा के नेता गोपीनाथ मुंडे ने संसद में जातिगत जनगणना की मांग की थी, लेकिन अब सरकार में आने के बाद भाजपा सरकार जातीय जनगणना से पीछे हट गई है। कांग्रेस ने भी 2011 में शरद पवार, लालू यादव और मुलायम सिंह यादव के दबाव में जातीय जनगणना करवाई लेकिन उसके आंकड़े जारी नहीं किए गए। कई प्रदेशों में क्षेत्रीय दल जाति की राजनीति करते हैं। ऐसे में जातीय जनगणना से हिन्दू समाज जाति में विभाजित हो जाता है। इसका फायदा क्षेत्रीय दलों को होगा और भाजपा को नुकसान होने की संभावना है। भारतीय राजनीति की विडंबना है कि विपक्ष में रहने पर दल इसका समर्थन करते हैं लेकिन सरकार में आने पर आनाकानी करते हैं। सत्ताधारी दल को लगता है कि जातीय जनगणना से जातीय गुटबाजी बढ़ जाएगी और समाज भी बंट जाएगा। जातीय विभाजन का सीधा फायदा क्षेत्रीय दलों को मिलेगा। एक तरफ जातीय जनगणना से सरकार को विकास की योजनाओं का खाका तैयार करने में मदद मिलेगी तो पिछड़ी पाई जाने वाली जातियां राजनीतिक दलों के सीधे निशाने पर रहेंगी। ऐसे में तकरीबन सभी दल वोट बैंक हासिल करने की होड़ में लग जाएंगे। परिणामस्वरूप समावेशी विकास की अवधारणा को चोट पहुंचेगी। भारत में जातिगत जनगणना से नई राजनीतिक क्रांति का सुप्रभात होगा या यह राजनीतिक शिगूफा बनकर रह जाएगी?

(लेखिका बी.डी. कॉलेज, पाटलिपुत्र विवि में एसो. प्रोफेसर हैं)

मानव तस्करी के मामले में दो आरोपित गोवा से गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी जिला की मयूर विहार थाना पुलिस ने मानव तस्करी के मामले में फरार चल रही विदेशी महिला समेत दो लोगों को गोवा से गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान तुर्कमेनिस्तान निवासी अजीजा हकीमी उर्फ अजीजा शेर (36) और शेरजे अफगान उर्फ शेरजोट अफगान उर्फ नूर अहमद हकीमी (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस के अलावा अन्य दस्तावेज व इनके अपने पासपोर्ट और दो मोबाइल फोन बरादम किए हैं। अदालत ने दोनों आरोपितों को भगोड़ा घोषित किया हुआ था। महिला विदेशी लड़कियों को अवैध रूप से भारत में लाकर उनसे जबरन जिस्मफरोशी का धंधा करवाती थी। पूर्वी जिला डीसीपी अमरूथा गुगुलोथ ने बताया कि 30 सितंबर को मयूर विहार थाना पुलिस की टीम को मानव तस्करी में शामिल फरार विदेशी महिला व उसके सहयोगी के गोवा में होने का पता चला। फौरन एक टीम का गठन किया गया। मामले की पड़ताल शुरू की गई। पुलिस ने दोनों की तलाश के लिए करीब 200 मोबाइल नंबरों की पड़ताल की। बाद में टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपितों के दो नंबरों की पहचान कर उनका पता किया गया। तीन अक्टूबर को एक टीम को उत्तरी गोवा भेजा गया। वहां से छह अक्टूबर को पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। बाद में उनको गोवा की अदालत में पेश किया गया, जहां से दोनों को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया। अदालत के आदेश पर पुलिस ने उनको चाणक्यपुरी थाना पुलिस के हवाले कर दिया। अजीजा के खिलाफ डोमेस्टिक एयरपोर्ट थाने में, हजरत निजामुद्दीन थाना, चाणक्यपुरी और क्राइम ब्रांच थाने में मामले दर्ज हैं। नूर अहमद के खिलाफ चाणक्यपुरी थाने में मामला दर्ज है। दोनों को अदालत ने भगोड़ा घोषित किया हुआ था। अजीजा के कई वीडियो वायरल है, जिसमें यह विदेशी लड़कियों से जबरन जिस्मफरोशी के लिए मारपीट कर रही है। वर्ष 2016 में यह भारत आई। इसके बाद अवैध रूप से लिवइन में समीर सेजई नामक युवक के साथ रहने लगी। बाद में उस पर जानलेवा हमला करने पर यह जेल चली गई। जेल से बाहर आकर दोबारा यह समीर के साथ ही रहने लगी थी। 2021 से गायब थी।

AMU के बाद JNU फलस्तीन के समर्थन में उतरा : कैंपस में आइसा ने लगाए पोस्टर, उठाई ये मांग

नई दिल्ली। इस्राइल और फलस्तीन के बीच चल रही जंग पर दोनों के कई देश समर्थन में हैं और कई देशों ने समर्थन नहीं किया है। जहां भारत इस्राइल के साथ तो वहीं देश के अंदर से कई छात्र संगठन फलस्तीन के समर्थन में नजर आ रहे हैं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के बाद इस्राइल और हमास की जंग के बीच आइसा ने फलस्तीन को आजाद करने की मांग उठाई। साथ ही निर्दोषों की हत्या रोकने का आह्वान भी किया। बता दें कि जेएनयू कैंपस में आइसा ने फलस्तीन के समर्थन में पोस्टर भी लगाए हैं। जानकारी के लिए बता दें कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के छात्रों ने फलस्तीन के समर्थन में अल्लाहू अकबर के नारे लगाए। छात्रों ने पैदल मार्च निकाला। फलस्तीन को आजाद करने की मांग उठाई। रविवार देर शाम एएमयू के डक पॉन्ड से बाब-ए-सैयद तक मार्च निकाला गया। पैदल मार्च के दौरान छात्रों ने नारेबाजी की।

'नौवां भारत-अतंरराष्ट्रीय नृत्य संगीत 'महोत्सव' 18 अक्टूबर से

नई दिल्ली। भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद (आईसीसीआर) की ओर से राजधानी दिल्ली में आगामी 18-20 अक्टूबर तक तीन दिवसीय 'नौवां भारत-अतंरराष्ट्रीय नृत्य संगीत महोत्सव' आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव में अलग-अलग देशों के करीब 14 विदेशी सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल भाग लेंगे। इस मौके पर सुश्री प्रिया वेंकटरमन के नेतृत्व में भारतीय प्रदर्शन समूह द्वारा महोत्सव में विशेष प्रदर्शन देने वाले हैं।

Indian Council for Cultural Relations
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में पूरी ताकत से लड़ेंगे चुनाव : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पाँच राज्यों के चुनाव की घोषणा के बाद कहा कि वह राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में पूरी ताकत से चुनाव लड़ेंगे।

श्री केजरीवाल ने कहा 'तीनों राज्यों में हमारी पार्टी की तैयारी पूरी है। हम राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में पूरी ताकत से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी की उम्मीदवारों की लिस्ट जल्द ही आने वाली है।'

उन्होंने इंडिया गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि जो भी होगा इस बारे में बताया जाएगा।

ग़ौरतलब है कि चुनाव आयोग ने आज पाँच राज्यों में चुनाव की घोषणा की जिसमें छत्तीसगढ़ को छोड़कर बाकी चार

राज्यों में एक-एक चरण में ही चुनाव संपन्न होंगे। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में मतदान कराया जाएगा। सभी राज्यों के चुनाव परिणाम 03 दिसंबर को आएंगे। आयोग ने बताया कि मिजोरम में 07 नवंबर, छत्तीसगढ़ में 07 और 17 नवंबर, मध्य प्रदेश में 17 नवंबर, राजस्थान में 23 नवंबर जबकि तेलंगाना में 30 को मतदान होंगे।

दिल्ली के साउथ एक्स में वॉक पर निकली 17 साल की लड़की से 55 वर्षीय व्यक्ति ने की छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के पॉश इलाके साउथ एक्स में वॉक के लिए निकली एक नाबालिग लड़की से एक अधेड़ ने छेड़छाड़ की. आरोपी शराब के नशे में धुत था. वॉक पर निकली नाबालिग को उसने सुनसान जगह पर खींचकर ले जाने की कोशिश की, नाबालिग ने शोर मचाया तो कुछ लोग उसकी मदद के लिए आगे आए. लोगों ने आरोपी को पकड़कर जमकर पिटाई की और फिर पीसीआर कॉल करके पुलिस के हवाले कर दिया. आरोपी की पहचान साउथ एक्स पार्ट-1 निवासी सुंदर लाल के रूप में हुई है. दक्षिणी दिल्ली जिले की डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि रविवार रात पीसीआर कॉल मिली थी, जिसमें 17 साल की पीड़िता ने बताया था कि 55 साल की एक व्यक्ति ने वॉक के दौरान उसे सुनसान जगह पर खींचकर छेड़छाड़

की है. उसने नाबालिग पीड़िता को गलत तरीके से छुआ है. मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज किया. पुलिस ने मौके से ही आरोपी सुंदर लाल को गिरफ्तार कर लिया. जांच में पता चला कि आरोपी ने शराब पी रखी थी और वह नशे में धुत था.पीड़िता की शिकायत पर पोक्सो समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है. वहीं, दिल्ली महिला आयोग की काउंसलर से पीड़िता की काउंसलिंग करवाई गई है. इसके बाद पीड़िता को उसके परिजनों के साथ घर भेज दिया गया है. पीड़िता का मेडिकल टेस्ट भी कराया गया है. पीड़िता साउथ एक्स पार्ट वन में ही अपने घर वालों के साथ रहती है और पढ़ाई कर रही है.

दिल्ली में बेकाबू हुई DTC बस बाजार में जा घुसी, ई-रिक्शा और रेहड़ी को मारी टक्कर; एक की मौत, तीन घायल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में दिल्ली परिवहन निगम की एक बस ने दो ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इससे एक शख्स की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए। बस चालक मौके से फरार हो गया है। मामला कल्याणपुरी थाना क्षेत्र के कोंडाली पुल के पास फल बाजार का है। पुलिस ने बताया कि फल बाजार में डीटीसी बस द्वारा दो ई-रिक्शा और एक फल रेहड़ी को टक्कर मारने की सूचना मिली थी। हादसा लगभग साढ़े 10 बजे हुए था। टक्कर लगते ही बस का चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया।

तीन लोगों को मामूली चोटें आई

हादसे में तीन लोगों को मामूली चोटें आई हैं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा एक शख्स की मौत हो गई। मृतक की पहचान आनंद माधव(36) पुत्र रामशरण के रूप में हुई है, जो कानपुर (यूपी) के रहने वाले थे।

कैसे हुआ एक्सीडेंट

जिला पुलिस उपायुक्त अमृता गुगुलोथ ने बताया कि रात दस बजे पुलिस को सूचना मिली कि न्यू अशोक नगर की साइड से कल्याणपुरी की तरफ जा रही डीटीसी की बस ने कोंडली पुल के पास दो ई रिक्शा व लोगों को टक्कर मारते हुए सड़क किनारे लगी फल की रेहड़ियों से जा टकराई। हादसे में पांच लोग घायल हो गए।

किसी तरह से बस को हटाकर घायलों को निकालकर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। एक की मौत हुई है। बाकी घायल है। उन्होंने कहा की हादसा शराब के नशे में हुआ या ब्रेक फेल हुआ इसका पता लगाया जाएगा। घायल समीर ने बताया कि वह बेटे व रिक्शा चालक दोस्त आसिफ के साथ कोंडली पुल के पास से फल खरीदने गए थे। वह तीनों रिक्शे से बाहर खड़े होकर फल ले रहे थे, तभी तेज रफ्तार में बस आई, वह कुछ समझ पाते इतने में बस ने रिक्शे में टक्कर मारते हुए वहां खड़े लोगों को टक्कर मार दी। हादसा होते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। 50 से अधिक लोगों ने बस को धक्का देकर वहां से हटाया।

घायल लोग

अली(4) पुत्र समीर, तिरलोकपुरी।

समीर(28) पुत्र नासिर तिरलोकपुरी

आसिफ(27) पुत्र अहमद

राकांपा विधायक अयोग्यता विवाद पर महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अजीत पवार और सात अन्य विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका पर निर्णय लेने में देरी के खिलाफ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के शरद पवार गुट की ओर से दायर याचिका पर सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय को नोटिस जारी किया। . विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप है कि वह दसवीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) के तहत फैसला करने में देरी कर रहे हैं।मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने राकांपा नेता जयंत पाटिल की याचिका पर यह नोटिस जारी की। पीठ ने कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को करेगी।गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य विधायकों के खिलाफ दायर याचिका पर 13 अक्टूबर को ही अगली सुनवाई करने वाली है। विधानसभा अध्यक्ष की ओर से अयोग्यता संबंधी याचिकाओं पर निर्णय लेने में देरी के खिलाफ शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट ने पहले याचिका दायर की थी।

गाजियाबाद में भांजी के साथ गंदी हरकत कर हत्या करने वाला युवक पुलिस मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद। कोतवाली इलाके में अपनी भांजी के साथ गन्दी हरकत कर उसकी गला दबाकर हत्या करने वाला 27 वर्षीय युवक कोतवाली पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान घायल हो गया। उसे शनिवार की देर रात जिला एमएमजी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए लाया गया था, तभी उसने पुलिस कर्मी की पिस्टल छीनने की कोशिश की थी। उसे घायल अवस्था मे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

डीसीपी सिटी अंकुर अग्रवाल ने रविवार को बताया कि थाना क्षेत्र कोतवाली में शनिवार को एक 27 वर्षीय युवक ने अपनी ही 07 वर्षीय भांजी के साथ अश्लील हरकत करने के बाद उसका गला घोट कर हत्या कर दी। पुलिस द्वारा

तत्काल घटना का संज्ञान लेते हुए सुसंगत धाराओं में एफआईआर पंजीकृत कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया था। इसी क्रम में अभियुक्त का मेडिकल परीक्षण कराने हेतु उसको जिला एमएमजी अस्पताल लेकर गए थे।

मेडिकल परीक्षण कराने के बाद वापस लाने के दौरान आरोपित ने उसके साथ मौजूद पुलिसकर्मी का पिस्टल छीन कर भाग जाने की कोशिश की। इसी दौरान उसने पुलिस के ऊपर फायरिंग भी की। पुलिस की ओर से आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में अभियुक्त के पैर में गोली लगी। इससे वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

नोएडा के बाद अब न्यू नोएडा, 20911 हेक्टेयर में बसेगा

नोएडा। नोएडा के बाद अब न्यू नोएडा को सजाने संवारने का काम शुरू हो चुका है। दादरी ङ्क नोएडा ङ्क गाजियाबाद निवेश क्षेत्र (डीएनजीआईआर) यानी न्यू नोएडा के जमीन के अधिग्रहण को तीन अलग-अलग तरीकों से किया जाएगा। इसका उद्देश्य है कि अधिग्रहण के साथ-साथ इस पर विकास कार्य भी हो सके। न्यू नोएडा का विकास पांच चरणों में किया जाएगा। इसमें सभी की सहभागिता होगी। सरकारी एजेंसियां, प्राइवेट एजेंसियां और किसानों की सहमति के आधार पर जमीनों का अधिग्रहण किया जाएगा और फिर विकास कार्य होगा। 20911 हेक्टेयर में न्यू नोएडा का विकास कार्य होगा। इसमें अलग-अलग माध्यम से जमीनों का अधिकार किया जाएगा। पहले मध्यम किसानों से सीधे जमीन खरीदी जाएगी। भू अधिग्रहण नीति 2011 के तहत जमीन मालिकों को उचित मुआवजा दिया जाएगा और उनसे जमीनों का अधिग्रहण किया जाएगा। लैंड पूलिंग के माध्यम से भी इसमें जमीन ली जाएगी। लैंड पूलिंग पॉलिसी के तहत किसानों से उनकी जमीन मांगी जाएगी। किसानों को इसके लिए आवेदन करना होगा, इसमें कम से कम 25 एकड़ का प्लॉट चाहिए। इसके साथ-साथ निजी एजेंसियों को भी भूमि अधिग्रहण करने का मौका मिलेगा। सरकार की भू अधिग्रहण पॉलिसी 2022 के तहत जमीन की खरीद के लिए निजी एजेंसी को भी मौका दिया जाएगा, हालांकि यह जमीनें वहां के औद्योगिक विकास प्राधिकरण, आवास विकास प्राधिकरण, शहरी निकाय की सीमा से बाहर होनी चाहिए। 25 प्रतिशत जमीन की खरीद पर लाइसेंस प्रदान किया जाएगा। यहां डेवलपर की ओर से 18 माह के भीतर विकास किया जा सकेगा। हालांकि इससे इसके लिए पहले से डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट देनी होगी। लाइसेंस मिलने के बाद 2 साल में तय लक्ष्य का 60 प्रतिशत जमीन अधिग्रहण करना जरूरी होगा। 75 प्रतिशत जमीनों का अधिग्रहण करने के बाद नक्शा पास कराना जरूरी होगा। इसका नक्शा यूपीसीडा करेगा। अगर 80 प्रतिशत जमीन के अधिकरण के बाद किसी प्रकार की दिक्कत आती है तो इसमें यूपीसीडा डेवलपर की मदद करेगा।

दिल्ली पुलिस ने हीरो मोटोकॉर्प के सीईओ पवन मुंजाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हीरो मोटोकॉर्प के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पवन मुंजाल और अन्य के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी और पांच करोड़ रुपये से अधिक के झूठे बिल बनाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है।

हालाँकि, यह मामला मुंजाल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच से संबंधित नहीं है। आईएएनएस के पास उपलध प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता, ब्रेन्स लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के रूप दर्शन पांडे ने हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड (एचएमसीएल) को आरोपी नंबर 1, मुंजाल को आरोपी नंबर 2, विक्रम सीताराम को आरोपी नंबर 3, हरि पकाश गुप्ता को आरोपी नंबर 4 और डेलॉइट हैस्किन्स एंड सेल्स लिमिटेड में पार्टनर मंजुला बनर्जी को आरोपी नंबर 5 बनाया है। सीताराम और गुप्ता दोनों हीरो

मोटोकॉर्प में अधिकारी हैं।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी नंबर 1, 2, 3 और 4 प्रतिष्ठान में पदाधिकारी और प्रमुख नियोक्ता हैं, जबकि आरोपी नंबर 5 वर्ष 2009 और 2010 में कंपनी की मान्यता प्राप्त ऑडिटर थीं और इस प्रकार यहां सभी आरोपियों ने एक-दूसरे के साथ मिलकर जालसाजी, धोखाधड़ी और हीरो मोटोकॉर्प के खातों की किताबों में हेराफेरी करने के अवैध कार्य किए हैं।

और अधिक जानकारी प्राप्त करें

प्राथमिकी में कहा गया है, 'सभी अपने आपराधिक कृत्यों और चूक के लिए संयुक्त रूप से और अलग-अलग उत्तरदायी हैं। शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की शुरुआत में यह है कि आरोपी कंपनी नंबर 1 ने आरोपी नंबर 2 और 3 के साथ मिलकर वर्ष 2009 और 2010 के कुल 5,94,52,525 रुपये के फर्जी महीनेवार बिल बनाए, जिसमें कहा गया था कि महीनेवार बिलों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और उन पर 'हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड' की मोहर लगी है। उन्होंने शिकायतकर्ता कंपनी के खिलाफ अपने खातों में कुल 5,94,52,525 रुपये का गलत डेबिट बैलेंस बनाया है और फर्जी बिलों के खिलाफ 55,51,777 रुपये का गलत सीईएनवीएटी (सेवा कर) क्रेडिट प्राप्त किया है और आयकर विभाग को धोखा दिया। आरोप लगाया गया है कि शिकायतकर्ता कंपनी ने 2009 और 2010 में कभी ये बिल जमा नहीं किये थे क्योंकि कंपनी रजिस्ट्रार, नई दिल्ली द्वारा जारी निगमन प्रमाण पत्र के अनुसार, 'हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड' 27 जुलाई 2011 को अस्तित्व में आया था। प्राथमिकी में यह भी बताया गया है कि शिकायतकर्ता ब्रेन्स लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड का अकेला मालिक है। वह ब्रेन्स लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड में प्रवर्तक भी है जिसके साथ एचएमसीएल ने मैनपावर और संबंधित सेवाओं के लिए करार किया था।

शिकायतकर्ता कंपनी ने आरोप लगाया है कि उसने जालसाजी और धोखाधड़ी के उपरोक्त कृत्यों की जानकारी आरोपी नंबर 5 (मैसर्स फर्ग्यूसन में तत्कालीन ऑडिटर) को दी थी, जिसने 16 अक्टूबर 2019 को जवाब में कहा था कि उसने वर्ष 2009 और 2010 के आरोपी के बही-खातों का ऑडिट किया है। हालांकि उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि बही-खातों में क्या मिला है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि थाने में आईपीसी की धारा 463, 467, 468, 471, 34, 477ए, 120बी और 406 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

नोएडा में सड़क धंसी, सीवर लाइन डैमेज होने से हुआ कटान

नोएडा। नोएडा की मास्टर प्लान रोड नंबर-2 करीब 15 से 20 फीट तक धंस गई है। इस रोड पर रोजाना सैकड़ों की संख्या में वाहन आते जाते हैं। वहां मौजूद लोगों ने स्कूल का बैरिकेड लगाकर रोड को बंद कर दिया है। यातायात को एक लेन से निकाला जा रहा है।

बताया गया कि ये रोड रात में धंसी थी। रोड धंसने की जानकारी प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। इसके बाद मौके पर अधिकारी पहुंच रहे हैं। बताया गया कि सेक्टर-27 की डीप सीवर लाइन के फटने से लीकेज था। इस वजह से सड़क पर अंदर से कटान हो गया। इस कारण ये धंस गई।

इसमें पानी भरा हुआ दिख रहा है। फिलहाल पूरे मामले की स्ट्रक्चर जांच की जाएगी। बता दें कि ये रोड आगे डीएससी और अंडरपास के जरिए नोएडा ग्रेटर

-नोएडा एक्सप्रेस को कनेक्ट करती है। पीक आवर में यहां हैवी ट्रैफिक रहता है। डीजीएम जल आरपी सिंह ने बताया कि यहां डीप सीवर लाइन है। उसमें कुछ लिकेज की बात सामने आई है। इस वजह से कटान हुआ और सड़क धंस गई।

नोएडा में सख्ती के बाद दो अफसरों ने छोड़ा का बंगला, मकान खाली करने के लिए चार अधिकारियों ने मांगी मोहलत

नोएडा। नोएडा से कई साल पहले तबादला हो चुके बड़े अफसर यहां के बंगलों का मोह नहीं छोड़ पा रहे हैं। सेक्टर-14ए में सरकारी बंगले कब्जाए हुए हैं। करीब दो महीने पहले नोएडा प्राधिकरण ने जब सख्ती शुरू की तब अफसर राइट टाइम हुए। एक आईएएस और एक आईपीएस अधिकारी ने मकान खाली कर दिया है। बाकी बचे चार अफसरों ने मोहलत मांगी है। ये नोटिस उनके मकान के बाहर चस्पा भी किया था। नोएडा सेक्टर-14ए में रहने वाले आईएएस आराधना शुक्ला, मोनिका गर्ग, अनुराग श्रीवास्तव, राजेश प्रकाश के अलावा आईपीएस लव कुमार और अभिषेक वर्मा ने सरकारी मकान नोएडा प्राधिकरण से ले रखा है।

खास बात यह है कि इन सभी अफसरों का सालों पहले नोएडा से तबादला हो चुका है। इनमें से एक आईएएस आराधना शुक्ला सेवानिवृत्त हो चुकीं हैं। इसको लेकर नोएडा प्राधिकरण ने अगस्त 2023 के पहले सप्ताह में नोटिस जारी कर एक सप्ताह के अंदर मकान खाली करने के निर्देश दिए थे। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि आईएएस आराधना शुक्ला और आईपीएस अभिषेक वर्मा ने मकान खाली कर दिया है। आराधना शुक्ला नोएडा प्राधिकरण में अगस्त 2015 से जून 2018 तक कार्यरत रहीं। आराधना शुक्ला का मकान प्राधिकरण के सीएलए को आवंटित कर दिया गया है। आईएएस मोनिका गर्ग और अनुराग श्रीवास्तव ने मकान खाली करने के लिए समय मांगा है। आईएएस राजेश प्रकाश हफ्ते-10 दिन में मकान खाली कर देंगे। यह मकान प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री को आवंटित कर दिया गया है। राजेश प्रकाश वर्ष 2014 से 2016 तक नोएडा प्राधिकरण में बतौर एसीईओ कार्यरत रहे थे। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया इनके अलावा आईपीएस लव कुमार को भी मकान खाली करने के लिए नोटिस दिया गया था। ऐसे में लव कुमार फिलहाल रह सकते हैं। अब नियमों का गहनता से पता किया गया तो सामने आया कि दिल्ली में कार्यरत यूपी के अधिकारियों को नोएडा में मकान मिल सकता है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एकदिवसीय विश्वकप: बांग्लादेश को हराकर वापसी करने उतरेगी इंग्लैंड

धर्मशाला (एजेंसी)। विश्वकप क्रिकेट में मंगलवार को इंग्लैंड का मुकाबला अपने दूसरे मैच में यहां के एचपीसीए स्टेडियम में बांग्लादेश से होगा। इंग्लैंड टीम इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही टूर्नामेंट में वापसी के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड को पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के हाथों 9 विकेट से करारी हार मिली थी। मौजूदा चैम्पियन इंग्लैंड को इससे करार झटका लगा है। ऐसे में अब बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन कर उसका लक्ष्य जीत की लय हासिल करना रहेगा। पिछले बार की उपविजेता न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद टीम की खिताब बराकरार रखने की संभावनाओं पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। इंग्लैंड की टीम की गेंदबाजी पहले मैच में उम्मीद के अनुरुप नहीं रही और उसके गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाये। कीवी टीम ने केन विलियमसन और टिम साउदी के बाहर होने के बाद भी उसे हरा दिया।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर 282 रन का स्कोर बनाकर जीतना आसान नहीं था पर न्यूजीलैंड टीम के सलामी बल्लेबाजों डेवोन कॉनवे और रचिन रविंद्र ने शतकीय पारी खेलकर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उससे इंग्लैंड की टीम लक्ष्य का बचाव नहीं कर पायी।

वहीं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ट्रेंट बोल्ट और मैट हेनरी ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था। क्रिस वोक्स, मार्क वुड और सैम कुरेन मिलकर भी कॉनवे और रवींद्र को 272 रन की साझेदारी हासिल करने से नहीं रोक सके। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट, सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो और कप्तान बटलर ने अच्छी पारियां खेली पर कोई भी अंत तक नहीं टिक पाया। दूसरी ओर बांग्लादेश की टीम इंग्लैंड की कमजोरियों का लाभ उठाने का प्रयास करेगी। एचपीसीए स्टेडियम में ही बांग्लादेश ने अपने पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को हराया था। इससे भी उसके हौंसले बुलंद हैं।

बांग्लादेश की टीम जीत के साथ शुरुआत के कारण आत्मविश्वास से भरी हुई है। टीम के कप्तान हरफनमौला शाकिब अल हसन, विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास, मेहदी हसन मिराज और नजमुल हसन शंटो अभी अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। कुल मिलाकर ये मुकाबला रोमांचक रहने की उम्मीद है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड टीम: जोस बटलर (कप्तान), जो रूट, जॉनी बेयरस्टॉ, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, बेन स्टोक्स, मोईन अली, क्रिस वोक्स, सैम कुरेन, डेविड विली, आदिल रशीद, मार्क वुड, रीसे टॉपली, गुस एटकिंसन.

बांग्लादेश टीम: शाकिब अल हसन (कप्तान), लिट्टन दास, तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शंटो, तौहीद हृदय, मुशफिकुर रहीम, महमूदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नासुम अहमद, महेदी हसन, तास्किन अहमद, मुस्ताफिजुर रहमान, हसन महमूद, शरीफुल इस्लाम और तंजीम हसन साकिब।

पदकवीरों का हौसला बढ़ाएंगे पीएम मोदी, मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों से मंगलवार को मिलेंगे

हांगझोऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को शाम करीब साढ़े चार बजे दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में एशियाई खेल 2022 में भाग लेने वाले भारतीय एथलीटों के दल के साथ बातचीत करने और उन्हें संबोधित करेंगे। एशियाई खेल 2022 में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। खेलों में भारत का प्रदर्शन 107 पदक जीतने के बाद पिछले सप्ताह शनिवार को समाप्त हुआ। हांग्जो में भारत की अंतिम तालिका 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य रही, जो 2018 में जकार्ता में दल द्वारा जीते गए 70 पदकों से एक लंबी छलांग है।

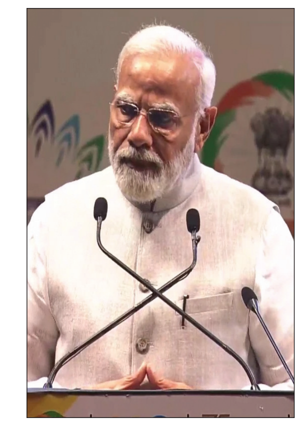

प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह कार्यक्रम प्रधान मंत्री द्वारा एशियाई खेलों 2022 में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए एथलीटों को बधाई देने और उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। बयान के अनुसार, कार्यक्रम में एशियाई खेलों के लिए भारतीय दल के एथलीट, उनके कोच, भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारी, राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ युवा मामले और खेल मंत्रालय के अधिकारी भी भाग लेंगे। इससे पहले, पीएम मोदी ने एशियाई खेलों में अब तक के सर्वाधिक 107 पदक जीतने वाले भारतीय एथलीटों की 'ऐतिहासिक उपलब्धि' के रूप में सराहना की और कहा कि खिलाड़ियों के अटूट दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत ने देश को गौरवान्वित किया है।

एक्स पर एक पोस्ट में, मोदी ने कहा, 'एशियाई खेलों में भारत के लिए क्या ऐतिहासिक उपलब्धि है! पूरा देश बहुत खुश है कि हमारे अविश्वसनीय एथलीटों ने अब तक के सबसे अधिक कुल 107 पदक जीते हैं, जो पिछले 60 वर्षों में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है।' उन्होंने कहा, हमारे खिलाड़ियों के अटूट दृढ़ संकल्प, निरंतर भावना और कड़ी मेहनत ने देश को गौरवान्वित किया है। मोदी ने कहा, 'उनकी जीत ने हमें याद रखने के क्षण दिए हैं, हम सभी को प्रेरित किया है और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।'

कोहली को ड्रेसिंग रूम में 'बेस्ट फील्डर ऑफ द मैच' से नवाजा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षण करने वाले विराट कोहली को भारत के ड्रेसिंग रूम में 'बेस्ट फील्डर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। रविवार को खेले गये इस मुकाबले में कोहली ने ना केवल बल्लेबाजी बल्कि सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षण करते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मिचेल मार्श का शानदार कैच पकड़ा जो पूरे मैच में सबसे अधिक चर्चा में रहा। कोहली को इस शानदार कैच के लिए ड्रेसिंग रूम में सम्मानित किया गया।

बीसीसीआई ने इससे संबंधित एक वीडियो रिलीज किया है, जिसमें विराट कोहली को ड्रेसिंग रूम में 'बेस्ट फील्डर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से सम्मानित करते हुए दिखा गया है। भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षक कोच टी दिलीप ने विराट कोहली को गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया। उसके बाद विराट ने राफेल नडाल के अंदाज में इस समारोह को मनाया। इस दौरान ड्रेसिंग रूम में टीम के मौजूद सभी खिलाड़ियों ने विराट के लिए तालियां बजाईं।

इससे पहले राहुल द्रविड़ ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में आज से एक छोटा सा बदलाव हो रहा है। आज फील्डिंग मेडल दिया जाएगा। इसके बाद फील्डिंग कोच टी दिलीप ने कहा कि यह मेडल सिर्फ उस खिलाड़ी को नहीं मिलेगा जो अपना काम करेगा बल्कि उसे दिया जाएगा जो और खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा। टी दिलीप ने इस दौरान कल खेले गये मुकाबले में अय्यर द्वारा पैट कमिंस और एडम जम्पा के दो बेहतरीन कैचों का भी जिक्र किया। उल्लेखनीय है कि विराट कोहली ने कल के मैच में बल्लेबाजी करते हुए 85 रन की बेहतरीन पारी खेली। कोहली ने केएल राहुल (97) के साथ मिलकर 165 रन की साझेदारी की थी जिसकी बदौलत भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से जीत लिया था।

अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए भारतीय टीम में बदलाव होगा : रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि 11 अक्टूबर को दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले दूसरे मुकाबले के लिए भारतीय टीम में बदलाव होगा। भारतीय टीम ने पहले ही मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर अच्छी शुरुआत की है इसके बाद भी अंतिम ग्यारह में बदलाव की बात से सभी हैरान हैं। माना जा रहा है कि इसका कारण दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इस बार विश्वकप में अब तक बने बड़े बढ़े स्कोर हैं।

यहां दक्षिण अफ्रीका ने 428 रन जबकि लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने भी 300 से अधिक रन बनाये थे। इस प्रकार एक ही मैच में 750 से अधिक रन बने थे। ऐसे में भारतीय टीम दिल्ली में 3 स्पिनरों की जगह तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी या तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को शामिल कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली जीत के बाद रोहित शर्मा ने कहा कि हर मैच में आपको चुनौती मिलेगी, क्योंकि आपको अलग-अलग हालातों में खेलना है। दिल्ली में हमें टीम संयोजन में बदलाव करना होगा और हम इसके लिए तैयार भी हैं। भारत और अफगानिस्तान के एकदिवसीय के रिकॉर्ड को देखें, तो दोनों के बीच अब तक 3 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें भारतीय टीम 2 मैच जीतने में सफल रही है, जबकि एक मैच टाई हुआ। ऐसे में भारतीय टीम अफगानिस्तान को हल्के में नहीं लेना चाहेगी।

वहीं पहले मैच में हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उनकी टीम को 50 रन और बनाने थे। उन्होंने कहा कि इस पिच से स्पिनरों को मदद मिल रही थी। भारतीय टीम के पास अच्छे गेंदबाज हैं. कमिंस ने कहा कि हमारी टीम में 2 ही स्पिनर थे, लेकिन हम 250 के आस-पास रन बनाते, तो इससे काफी फर्क पड़ सकता था।

भारतीय टीम ने विश्वकप के पहले मैच में धोनी की रणनीति अपनाकर हासिल की सफलता

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय विश्वकप के पहले ही मुकाबले में आसान जीत दर्ज की है। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की रणनीत पर चलते हुए मुकाबला जीता। चेपक स्टेडियम का विकेट देखने के बाद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में 3 स्पिनर उतारे। भारतीय टीम का ये फैसला सही साबित हुआ। इससे पहले सीएसके के कप्तान धोनी भी जब-जब आईपीएल में इस मैदान पर खेलते रहे हैं, इसी रणनीति का इस्तेमाल करते रहे हैं और वह अधिकतर मुकाबलों में 2 से अधिक स्पिन गेंदबाजों के साथ उतरते रहे हैं। वहीं रोहित भी धोनी के ही रास्त पर चले और ऑस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर बनाने से रोकने में सफल रहे। स्पिनर रवींद्र जडेजा को विकेट देखकर ही ये अंदाज हो गया था कि ये पारंपरागत विकेट है जिसपर स्पिन गेंदबाजी सफल रहेगी क्योंकि यहां गेंद इतनी तेजी से स्पिन होती है कि बल्लेबाज को पिच की तेजी से तालमेल बैठाने का अवसर ही नहीं होता है। इस मैदान पर सीएसके कप्तान धोनी भी अपनी खास रणनीति से उतरते रहे हैं। सीएसके आईपीएल के घरेलू मैच के लिए ऐसी पिचें तैयार करवाती है, जिस पर वह तीन स्पिनरों को शामिल कर सके। खासकर वैसे गेंदबाज जो सीधे विकेट पर गेंदबाजी कर सकें और जडेजा उनमें से एक हैं। इसी कारण वह इस मैच में सबसे सफल जडेजा रहे हैं। वहीं जडेजा-कुलदीप और अश्विन की स्पिन तिकड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में कुल मिलाकर 30 ओवर गेंदबाजी की और 104 रन देकर 6 विकेट लिए। इसमें से अकेले ही 3 विकेट जडेजा को मिले। वह बाकी दोनों गेंदबाजी से किफायती भी रहे।

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे शुभमन गिल : बीसीसीआई

मुंबई, । बीसीसीआई ने सोमवार को एक बयान में बताया कि टीम इंडिया के बल्लेबाज शुभमन गिल 9 अक्टूबर को दिल्ली ट्रैवल नहीं कर रहे हैं। वे इस समय मेडिकल टीम के साथ चेन्नई में ही रहेंगे। गिल चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप-2023 में टीम के पहले मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं थे। वो अब 11 अक्टूबर को दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ टीम के अगले मैच से भी बाहर हैं। गिल कथित तौर पर डेंगू से पीड़ित हैं। बीसीसीआई अधिकारी ने पहले कहा था, 'उनकी तबीयत खराब है, मेडिकल टीम उन पर कड़ी नजर रख रही है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह जल्द ही बेहतर हो जाएंगे।' गिल इस साल वनडे में 72.35 की औसत और 105.03 की स्ट्राइक रेट से 1,230 रन के साथ भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपने आखिरी चार वनडे मैचों में उन्होंने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया, इनमें से दो पारियां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ थी।

तीन दशक के बाद विश्व कप का पहला ही मुकाबला हारी ऑस्ट्रेलिया

चेन्नई । केएल राहुल और विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के अपने पहले ही मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को छह विकेट से हरा दिया। इस प्रकार तीन दशक के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्वकप का अपना पहला ही मुकाबला हारी है। इससे पहले 1992 विश्वकप में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले मुकाबले में हार गयी थी। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय स्पिनरों का सामना नहीं कर पायी और 199 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को भारतीय टीम ने राहुल के 97 और विराट के 85 रनों की सहायता से आसानी से हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआती तीन विकेट 2 रनों के अंदर ही खो दिये पर इसके बाद राहुल और विराट ने पारी को संभाला। पांच बार की खिताब विजेता ऑस्ट्रेलिया की पहले ही मैच में हार से सभी हैरान हैं। टीम इंडिया का अब अफगानिस्तान के खिलाफ 11 अक्तूबर को अरुण जेटली स्टेडियम में खेलेगी। कप्तान रोहित शर्मा, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर खाता भी नहीं खोल पाये। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिशेल मार्श और डेविड वार्नर पारी की शुरुआत के लिए उतरे। मार्श तीसरे ओवर में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद स्पिनर कुलदीप यादव ने डेविड वार्नर को आउट कर टीम को दूसरा झटका दिया। वार्नर 52 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 41 रन बनाकर कुलदीप के हाथों ही कैच आउट हुए। स्टीव स्मिथ 46 रन बनाकर स्पिनर रविंद्र जडेजा के हाथों आउट हुए। जडेजा ने ही इसके बाद लाबुशाने को पेवेलियन भेज दिया। लाबुशाने ने 27 रन बनाए। एलेक्स कैरी शून्य पर ही आउट हो गये। जडेजा ने 30वें ओवर की चौथी गेंद पर उन्हें एलबीडब्ल्यू किया। ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी 15 रन बनाकर आउट हो गये। कैमरुन ग्रीन भी केवल 8 रन ही बना पाए और 37वें ओवर की दूसरी गेंद पर पांड्या को कैच दे बैठे। इस दौरान अश्विन गेंदबाजी पर थे। कप्तान पैट कमिंस भी 15 रन बनाकर आउट हो गये। हार्दिक पांड्या ने एडम जम्पा को कोहली के हाथों कैच आउट करवाया। अंतिम विकेट मिशेल स्टार्क का मोहम्मद सिराज ने लिया।

हॉकी इंडिया ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष टीम घोषित की

बेंगलुरू (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने मलेशिया में 27 अक्टूबर से चार नवंबर तक होने वाले सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए सोमवार को 20 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष टीम की घोषणा जिसकी कमान उत्तम सिंह को सौंपी गई है। राजिंदर सिंह टीम के उप कप्तान होंगे। टूर्नामेंट के 11वें सत्र में छह की जगह आठ टीम हिस्सा लेंगी। भारत को पूल बी में मलेशिया, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है जबकि पूल ए में जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और ग्रेट ब्रिटेन को रखा गया है।

कोच सीआर कुमार ने विज्ञप्ति में कहा, 'चयन समिति ने सभी पिछले टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए ऐसी संतुलित टीम का चयन किया है जो 11वें सुल्तान ऑफ जोहोर कप में प्रतिस्पर्धा कर सके और सफल हो सके।' उन्होंने कहा, 'हम ऐसे खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और मौका दे रहे हैं जो अपने कौशल से विरोधी को पछाड़ने में सक्षम हों।'

कोच ने कहा, 'यह टूर्नामेंट एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 में हिस्सा लेने जा रहे छह देशों का आकलन करने और उन्हें समझने का मौका और यह उनकी हालात में खेला जाएगा जो दिसंबर में हमें कुआलालंपुर में मिल सकते हैं।'

गोलकीपर की भूमिका मोहित एच एस और रणविजय सिंह यादव की भरोसेमंद जोड़ी को सौंपी गई है। जबकि रक्षापंक्ति में अमनदीप लाकड़ा, रोहित, सुनील जोजो, सुखविंदर, आमिर अली और योगेम्बर रावत नजर आएंगे।

मिडफील्ड में पूवन्ना सीबी, विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, अमनदीप, सुनीत लाकड़ा और अब्दुल अहद को शामिल किया गया है। अग्रिम पंक्ति में उत्तर सिंह, अरूण साहनी, अदित्य ललागे, अंगद बीर सिंह, गुरजोत सिंह और सतीश बी को जगह मिली है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपर – मोहित एच एस, रणविजय सिंह यादव

डिफेंडर – अमनदीप लाकड़ा, रोहित, सुनील जोजो, सुखविंदर, आमिर अली, योगेम्बर रावत

मिडफील्डर – विष्णुकांत सिंह, पूवन्ना सी बी, राजिंदर सिंह, अमनदीप, सुनीत लाकड़ा, अब्दुल अहद

फॉरवर्ड – उत्तम सिंह, अरुण साहनी, आदित्य ललागे, अंगद बीर सिंह, गुरजोत सिंह और सतीश बी।

14 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ भगवा रंग की जर्सी पहनेगी टीम इंडिया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 2023 में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराकर अपना विजयी आगाज किया है। वहीं अब भारत 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान और फिर 14 अक्टूबर को अपने चिर परिचित प्रतिद्वंदी टीम पाकिस्तान से भिड़ेगा। बता दें कि, भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि, इस मुकाबले को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। इन्हीं में से एक ये कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में टीम इंडिया भगवा रंग की जर्सी में खेलेगी।

वहीं इस अजीबो गरीब दावे को लेकर बीसीसीआई ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सच बताया है। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने इस तरह के दावों को निराधार बताया है। उन्होंने एएनआई से बात करते हुए कहा कि हम स्पष्ट रूप से ऐसे दावों को खारिज करते हैं। टीम इंडिया पाकिस्तान के खिलाफ कोई दूसरी किट नहीं पहनेगी। ये खबरें बिलुकल निराधार हैं और किसी की कल्पना मात्र हैं। भारतीय टीम आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 में नीले रंग की जर्सी में ही पहनेगी।

बता दें कि, भारतीय टीम ने चेन्नई के चेपॉक में खेले गए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से पहले प्रैक्टिस के दौरान भगवा रंग की जर्सी पहनी थी। इसके बाद से ही पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले को लेकर टीम इंडिया की जर्सी को लेकर अलग अलग दावे शुरू हो गए।

लियोन ने कहा जरुरत पड़ी तो मैं खेलने के लिए तैयार हूं

न्यू साउथ वेल्स । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन को अब भी उम्मीद है कि उन्हें भारत में हो रहे विश्वकप में खेलने का अवसर मिल सकता है। लियोन को विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल नहीं किया गया है पर अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हुआ तो अनुभवी होने के कारण उनकी संभावनाएं बन सकती हैं। इसी को देखते हुए लियोन उत्साहित हैं। इस स्पिनर ने कहा कि अगर भारत में जारी एकदिवसीय विश्व कप के दौरान उनकी सेवाओं की जरूरत पड़ी तो वह इसके लिए तैयार हैं। वहीं टीम के एक अन्य स्पिनर एश्टोन एगर को पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 मैच के दौरान चोट लगी थी जिसकी वजह से वह भी विश्वकप से बाहर हैं। विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया ने एडम जाम्पा को मुख्य स्पिनर के तौर पर रखा है वहीं ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी एक विकल्प के तौर पर उतरेंगे। लियोन के अनुसार भारत की पिचें स्पिनरों की सहायक हैं और ऐसे में उनकी टीम को स्पिनर की कमी महसूस हो सकती है। लियोन ने कहा, 'जब मैने देखा कि एगर टीम से बाहर है तो मैने एंड्रयू डोनाल्ड को संदेश भेजा कि मैं पूरे दस ओवर गेंदबाजी कर पा रहा हूं। अगर जरूरत होती है तो मैं विश्व कप में अपनी सेवाएं दे सकता हूं। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत पड़ी तो मुझे वहां जाने में कोई परेशानी भी नहीं है। उम्मीद है कि आस्ट्रेलिया की यह टीम अच्छा प्रदर्शन करे और अपना लक्ष्य हासिल करे। लियोन को एशेज सीरीज के दौरान चोट लगी थी जिससे अब वह उबर गये हैं।

बटलर ने एचपीसीए स्टेडियम की आउटफील्ड की आलोचना की

धर्मशाला। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने बांग्लादेश के खिलाफ मंगलवार को विश्व कप के मुकाबले से पहले एचपीसीए की आउटफील्ड को खराब बताया है। इससे पहले अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने भी आउटफील्ड की आलोचना की थी जहां उनकी टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच खेला था। बटलर ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''आउटफील्ड को लेकर चिंतायें हैं। मेरे विचार से यह खराब आउटफील्ड है। इस पर फील्डिंग के दौरान काफी सावधानी बरतनी होगी।' उन्होंने कहा, ''आप एक एक रन बचाने के लिये डाइव करना चाहते हैं लेकिन यहां उससे बचना होगा। यह वैसी आउटफील्ड नहीं है जैसी आईपीएल के दौरान देखने को मिलती है।' अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच के दौरान कई खिलाड़ी एचपीसीए की आउटफील्ड पर फिसल गए। बटलर ने कहा कि चोट किसी भी मैदान पर लग सकती है लेकिन पहले से दिमाग में यह बात रहेगी जो अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, ''चोट तो कहीं भी लग सकती है। एचपीसीए स्टेडियम पर थोड़ी सावधानी बरतनी होगी जो देश के लिये खेलते समय आप नहीं करना चाहते। आप अपना सब कुछ झोंककर एक एक रन बचाना चाहते हैं।' बटलर ने कहा कि कूल्हे की चोट से उबर रहे बेन स्टोक्स बांग्लादेश के खिलाफ नहीं खेलेंगे। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच भी नहीं खेले थे। बांग्लादेश के कोच रंगना हेराथ ने कहा कि उनके खिलाड़ी इस आउटफील्ड के अनुसार ढलने की कोशिश करेंगे। बांग्लादेश और अफगानिस्तान के बीच पहले मैच के बाद आईसीसी ने इस पिच को औसत करार दिया था। हेराथ ने कहा, ''हम किसी पर बंदिश नहीं लगायेंगे क्योंकि ऐसा करने पर वह अपना शत प्रतिशत नहीं दे पाता।' उन्होंने कहा, ''पिछले मैच में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और हम उन्हें इस मैच में भी वही करने के लिये कहेंगे।' उन्होंने कहा, 'आईसीसी ने मैदान पर काफी मेहनत की है। उन्होंने इस पर वनडे मैच खेलने की अनुमति दी है तो मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है।'

भारत को 2036 ओलंपिक की मेजबानी के प्रयास करने चाहिय: उषा

-पेरिस ओलंपिक में टोक्यो से अधिक पदक जीतेंगे

हांगझोउ (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा ने कहा है कि भारत को अब 2036 ओलंपिक की मेजबानी के प्रयास करने चाहिये। एशियाई खेलों में जिस प्रकार भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है उससे भी उषा उत्साहित हैं। दिग्गज एथलीट रही उषा ने कहा, 'हांगझोउ एशियाई खेलों में प्रदर्शन के बाद अगर हमारे देश के खिलाड़ी, कोच और राष्ट्रीय महासंघ कड़ी मेहनत करें तो हम पेरिस ओलंपिक में भी कई पदक जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, 'सरकार खेलों और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है उससे भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा है।

उषा ने कहा कि अब भारत को ओलंपिक की मेजबानी का दावा करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें 2023 ओलंपिक की मेजबानी का दावा करना चाहिए। मुझे भरोसा है कि भारत पेरिस ओलंपिक में टोक्यो से अधिक पदक जीतेगा। एक बार पदक जीतने के बाद हम ओलंपिक की मेजबानी का भी दावा कर सकते हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार 15 से 17 अक्टूबर तक मुंबई में होने वाले अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सत्र के दौरान 2036 ओलंपिक की मेजबानी का प्रस्ताव रख सकती है। आईओसी के हालिया सुधारों के बाद अब ओलंपिक की मेजबानी के इच्छुक देश अपना प्रस्ताव रखेंगे और आईओसी भावी मेजबान आयोग कार्यकारी बोर्ड के सामने अपनी अनुशंसा रखेगा। कार्यकारी बोर्ड उसके बाद तय करेगा कि आईओसी सत्र में प्रस्ताव मतदान के लिये रखा जायेगा या नहीं। उषा ने कहा कि एशियाड में भारत के सौ से अधिक पदक जीतने से वह हैरान नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं स्वयं खिलाड़ी रही हूं और मुझे शुरू से पता था कि भारत हांगझोउ में 100 से अधिक पदक जीतेगा। मैं इससे बिल्कुल हैरान नहीं हूं क्योंकि इसके लिए सभी ने काफी मेहनत की है।

कॉलेज गर्ल्स के लिए मेकअप टिप्स

कॉलेज लाइफ हर किसी की जिंदगी का एक अहम फेज होता है जिसे जीने के लिए हर कोई खासतौर पर लड़कियां, पहले से कई तैयारियां शुरू कर देती हैं। क्लोदिंग, एक्सेसरीज से लेकर अपना लुक तक वे नया चाहती हैं, जो उनकी इस न्यू स्टेज से मैच कर सके। कॉलेज गोइंग गर्ल्स की इसी चाहत को ध्यान में रखते हुए ब्यूटी एक्सपर्ट और एल्प्स कॉस्मेटिक क्लीनिक की एक्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर गुंजग गौड़ बता रही हैं खास मेकअप टिप्स

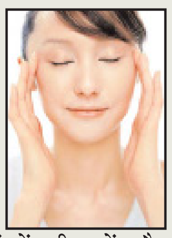

एग्जाम, मार्क्स और एडमिशन के टेंशन की निशानियां जैसे डार्क सर्कल्स आदि आपके चेहरे पर साफ नजर आती हैं। ऐसे में, इन प्रॉब्लम्स को कलर करेक्शन फाउंडेशन क्रीम यानी सी.सी.क्रीम की मदद से छिपाया जा सकता है। इसे लगाने के लिए अपने हाथों में क्रीम लें और फिंगर की सहायता से पूरे चेहरे पर छोटो- छोटे डॉट्स लगाकर ब्रश से मर्ज कर लें।

ब्लशर की बजाय ब्रॉन्जर का इस्तेमाल करें। इसे फेस के आउटर कॉर्नर और चीक बोन के नीचे पाउडर ब्रश की सहायता से ब्लेंड करते हुए लगाएं। इससे आपका फेस पतला नजर आएगा। इसके अलावा ब्रॉन्जर का इस्तेमाल स्किन पर ग्लो लाता है और आपको खूबसूरत बना देता है।

ड्रेस से मैचिंग या फिर कॉम्प्लिमेंट करते हुए शेड जैसे एमरल्ड ग्रीन, इलेक्ट्रिक ब्लू, वॉयलेट आदि से आप अपनी आइज को सजा सकती हैं। इन दिनों ट्रेंड के मुताबिक कलर लाइनर से आप अपनी आई ज को विंग्ड स्टाइल से भी सजा सकती हैं। ये आपकी आंखों की शेप को अच्छे

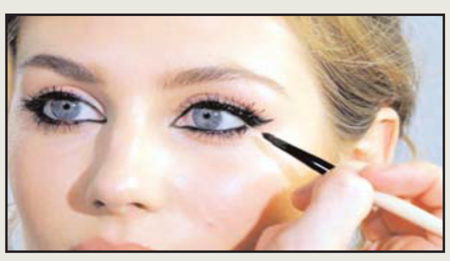

से डिफाइन भी करेगा। साथ ही, इसे लगाने के बाद आपको ज्यादा मेकअप करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इस मौसम में आई-मेकअप के लिए प्रोडक्ट्स वाटरप्रूफ ही इस्तेमाल करें। पलकों को आईलैश कर्लर से कर्ल करके उन पर मसकारा का डबल कोट लगायें। बबलगम पिंक या लाइट कोरल जैसे लाइट लिप शेड्स इस सीजन में आपकी खूबसूरती को निखारेंगे और उम्र की मासूमियत को बरकरार भी रखेंगे।

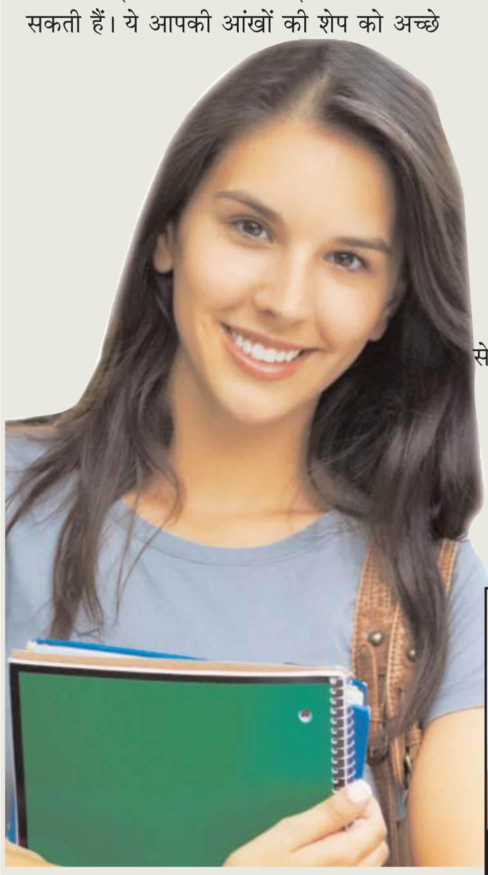

सेक्सी लुक के लिए बालों को मेसी लुक देकर साइड बन या ब्रेड बना सकती हैं। इस स्टाइल को और भी खूबसू रत बनाने के लिए उसे स्टाइलिश और फंकी एक्सेसरीज से सजा सकती हैं या फिर कलरफुल रिबन के साथ बेड को बना सकती हैं। इन सबके अलावा इन दिनों रेड और वॉयलेट कलर आ गये हैं। ऐसे में, आप बालों के किनारों में ब्राइट कलर करवा सकती हैं। इससे आपकी पर्सनालिटी में एक अलग ही अट्रैक्शन आएगा।

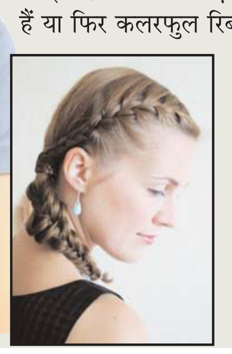

जीवनसाथी
दोस्त की तरह दें रिश्तों को अंजाम

भारतीय संस्कृति में विवाह को पवित्र संस्था माना जाता है जिसमें पति- पत्नी का रिश्ता ताजिंदगी का होता है। मधुर दांपत्य जीवन की नींव है आपसी प्रेम और विास। ऐसा तब संभव है जब पति-पत्नी एक दूसरे के कामों में सहयोग दें, विचारों-भावनाओं को समझें और सम्मान दें। वैवाहिक जीवन में जो बातें दरार पैदा करती हैं, उनमें प्रमुख हैं एक-दूसरे पर अविास, खुद को दूसरे से बड़ा या महत्वपूर्ण समझना और अपनी ही बात पर कायम रहना

एक रिसर्च के अनु सार, उम्र बीत जाने के बाद पति-पत्नी के चेहरे में साम्यता नजर आने लगती है। ऐसा तब होता है जब उनका आपसी प्यार, विास और एक-दूसरे के प्रति सम्मान जीवनपर्यत कायम रहता है। एक सुखी और खुशहाल परिवार तभी बनता है जब पति-पत्नी दो पहियों की तरह परिवार रूपी गाड़ी को चलाते हैं। अगर इनमें से एक भी पहिया कमजोर हुआ तो पूरी गाड़ी चरमरा जाती है। दोनों का रिश्ता ऐसा होता है जिसे पूरे जीवन काल तक निभाना होता है। इस रिश्ते को 'जीवनसाथी' भी कहा जाता है। यह ऐसा रिश्ता है जहां अधिकार का भाव दोस्ती में बदल जाता है। अपने दोस्तों से जिस तरह हम बिना स्वार्थ के, बिना औपचारिकता निभाए हर छोटी-बड़ी बात शेयर करते हैं, पति-पत्नी को चाहिए कि वे भी इसी तरह के संबंधों से अपनी जिंदगी को खुशहाल बनाये।

सम्मान बराबरी से दें

इस रिश्ते में आपसी प्रेमभाव, भरोसा और एक-दूसरे की मानसिकता का सम्मान करना बहुत आवश्यक है। पति-पत्नी का रिश्ता जन्म-जन्मांतर का माना जाता है। इस रिश्ते में परस्पर विास और आदर की भावना ही एक-दूसरे के लिए स्नेह और समर्पण का बीज बनती है, जिससे दाम्पत्य रूपी वटवृक्ष फलता- फूलता है। कितना प्यारा और खूबसूरत है यह रिश्ता कि शादी से पहले दो इंसान एक-दूसरे को कितना कम जानते हैं, लेकिन विवाह हो जाने के बाद यह रिश्ता इतना अटूट और प्रगाढ़ हो जाता है कि जिंदगी की आखिरी सांस तक दोनों का साथ बना रहता है। लेकिन इस रिश्ते में सबसे महत्वपूर्ण है पति-पत्नी दोनों ही एक-दूसरे को सम्मान दें और एक दोस्त की तरह हर सुख-दुख में साथ निभाएं।

'मैं ' की भावना क्यों ?

रिश्तों में प्यार और समझ के लिए बहुत जरूरी है कि कभी भी दोनों एक-दूसरे पर हावी न हों। पति यह न समझे कि मैं पति हूं तो मुझे ही हक है कुछ भी करने का। वहीं पत्नी भी अपने पति के हर क्रियाकलाप में एक दोस्त की तरह व्यवहार करे। घर में लिए जाने वाले निर्णय आपसी सहमति से हों, न कि एक-दूसरे पर जबरदस्ती थोपने की भावना हो। हर दंपति चाहता है कि उसके परिवार में सभी सुख- सुविधाएं हों। अपने सपनों को दोनों तभी साकार कर पाएंगे जब दोनों मिलजुल कर सलाह-मशविरे से काम करेंगे। यदि पति यह अधिकार जमाए कि मैं कमाता हूं तो जो मैं चाहूंगा और पत्नी के मन में यह भावना हो कि घर को चलाना सिर्फ मेरे अधिकार क्षेत्र में है तो फिर कभी भी सामंजस्य नहीं हो पाएगा। इसके लिए दोनों को ही समझदारी और बड़प्पन दिखाना होगा।

काम में सहयोग दें

पति को अपने ऑफिस या अन्य कायरे के साथ-साथ सुबह और शाम का कुछ वक्त घर के कामों के लिए भी निकालना चाहिए। मसलन, शाम को कार्यालय से लौटते वक्त घर के लिए खरीदारी कर सकते हैं। सुबह घर के बगीचे की देखभाल करना, बच्चों को बस स्टॉप तक छोड़ना, दूध या सब्जी लाना आदि काम सरलता से किए जा सकते हैं। इससे आपकी पत्नी को घर के कार्यो में सहायता तो मिलेगी ही, साथ ही आपका तालमेल बेहतर होगा और आपका रिश्ता भी मधुर बना रहेगा। पति यह न सोचें कि बच्चों की देखभाल का काम तो पत्नी का ही है, आप भी बच्चों की परवरिश में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। जैसे छुट्टी के दिन बच्चों को नहलाएं, उन्हें तै यार करें। बच्चों के साथ खेलें, उन्हें पढ़ाएं। ऐसा करने से आपके और बच्चों के बीच भावनात्मक रिश्ता भी मजबूत होगा और पत्नी को कुछ समय तक बच्चों की देखभाल की चिंता नहीं होगी और इससे वह प्रसन्न होगी। दो

शक न करें

दाम्पत्य की अटूट कड़ी है आपसी विास। और विास पर ही पति- पत्नी का रिश्ता टिका होता है, इसलिए इसमें शक को बीच में कभी न आने दें, क्योंकि अगर यह एक बार आ जाता है तो पूरी जिंदगी लग जाती है टूटी कड़ी जोड़ने में। इसलिए जरूरी है कि विास की नींव हिलने न दें बल्कि इसे इतनी मजबूत बनाएं कि प्रचंड आंधी भी इसे हिला न सके। थोड़ी-सी लापरवाही की वजह से भी अविास पैदा होने लगता है। जैसे, पत्नी को ऑफिस से घर आने में लगातार देर हो रही है तो फोन कर उसे पति को बता देना चाहिए कि वह देर से आएगी। इसी तरह, अगर पति भी किसी काम में फंसे हैं और देर से घर आते हैं तो पत्नी को इसकी सही वजह बताएं। छोटे-छोटे झूठ बोलने से बचें क्योंकि कई बार एक छोटा-सा झूठ बड़े शक की वजह बनता है।

मेरा पैसा मेरी मर्जी

जहां दोनों कामकाजी हों, वहां पैसा बहुत मायने रखता है। अपने वेतन को कैसे खर्च करना है और कहां इन्वेस्ट करना है, अक्सर यह विवाद का विषय बन जाता है। पत्नी कोई बड़ा सामान खरीदने में पति की सलाह नहीं लेती या पति बिना पत्नी से पूछे शेयर या अन्य किसी चीज में पैसे लगा देता है तो इससे निश्चित ही झगड़े होते हैं। इससे बचने के लिए पति-पत्नी को मिल-बैठ कर हर महीने का बजट बनाना चाहिए और किसी क्या करना है, इसे तय करना चाहिए। पति-पत्नी के बीच ऐसी समझदारी होनी चाहिए कि किसी मुद्दे पर विचार अलग-अलग हों तो भी एक-दूसरे को समझते हुए निर्णय लें। अगर एक-दूसरे का ध्यान न देते हुए ये सोचेंगे कि मैं चाहे जो करूं मेरी मर्जी, तो बात बनने की बजाय बिगड़ जाएगी।

जरूरी हैं ये बातें

आपस में प्यार, मित्रता, सुख-दुख में साथ- पूरी समझबूझ और एक-दूजे के लिए त्याग भावना होनी चाहिए।

गलती होने पर माफी जरूर मांगें, 'सॉरी' कहना बुरी बात नहीं है और न ही माफ करना मुश्किल काम है। माफी मांगने से झगड़ा आगे नहीं बढ़ता, इसलिए माफी मांगने में कंजूसी न करें।

कोई इंसान परफेक्ट नहीं होता है, इसलिए एक-दूसरे में गलतियां न निकालें बल्कि गलतियों को सुधारने का मौका दें। अपने प्यार में इतनी ताकत लाएं कि सामने वाला अपनी कमियों को आपके कहे बिना ही सुधार लें।

एक-दूसरे के लिए हमेशा ईमानदार रहें और कोई भी ऐसी बात न छुपाएं जो बाद में पता चलने पर दिल को ठेस पहुंचाए।

अगर किसी बात को लेकर बहस हो रही है तो उस बात का बतंगड़ न बनाएं बल्कि तुरन्त खत्म करने की कोशिश करें।

झगड़ा होने पर एक-दूसरे को छोड़ देने की धमकी कभी न दें। इससे रिश्ते की डो र कमजोर होती है। आमतौर पर माना जाता है कि शादी के बाद प्रेम और परिपक्व हो जाता है, इसलिए प्रेम को और बढ़ायें, न कि कम होने दें।

जेगिंग्स का छाया जादू

वे दिन लद गए जब लड़कियां फैशनेबल दिखने के लिए जींस का सहारा लिया करती थीं। आजकल जेगिंग्स का जादू यंग गर्ल्स के सिर चढ़ कर बोल रहा है। हो भी क्यों न, फैशन और कंफर्ट का कॉम्बिनेशन है जेगिंग। अगर आप फैशनेबल के साथ कूल और स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो इसे अपने वार्डरोब में जरूर जगह दें। वैसे तो जेगिंग और जींस में ऊपरी तौर पर कोई खास फर्क नजर नहीं आता लेकिन जब आप इसे पहनती हैं तो पता चलता है कि यह स्टाइल के मामले में जींस से दो कदम आगे है। फैशन डिजाइनर कनिका सेठ विस्तार से बता रही हैं दिनोंदिन बढ़ती जेगिंग की डिमांड व इसके डिजाइन्स के बारे में

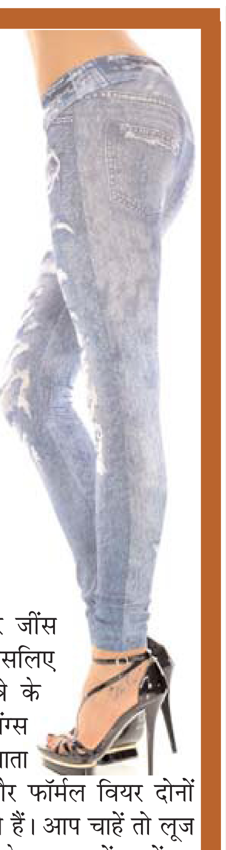

फैशनेबल व आरामदायक

जेगिंग्स जितनी फैशनेबल है, उतनी ही आरामदायक भी है। यह लेगिंग्स की तरह लचीली होती है और जींस की तरह स्मार्ट लुक भी दे ती है यानी एक पंथ दो काज। आप इसे पहनकर आराम से दौड़ लगा सकती हैं या योगा तक कर सकती हैं। यह आपके शरीर से चिपकर शरीर के अनुसार ढल जाती है जिससे आपको कोई भारी कपड़ा पहनने का अहसास नहीं होता, वहीं दूसरी ओर डेनिम की सारी खूबियां तो इसमें हैं ही।

कलरफुल व प्रिंटेड

आजकल मार्केट में रेड, पिंक, ब्लू, यलो, ग्रीन, ब्लैक, व्हाइट सहित कई कलर में जेगिंग्स उपलब्ध हैं। आप अपनी ड्रेस के हिसाब से कलरफुल जेगिंग्स का चयन कर सकती हैं। इन कलर्स में जेगिंग्स बेहद खूबसूरती दिखती हैं और आपको सुपर कूल लुक देती है। वैसे कलरफुल जेगिंग्स के साथ-साथ प्रिंटेड जेगिंग्स भी काफी डिमांड में है। अलग-अलग प्रिंट की जेगिंग्स आजकल मार्केट में काफी दिखाई दे रही है। इन सबमें एनिमल प्रिंट का लड़कियों के बीच खासा क्रेज है। यह प्रिंट यंग गर्ल्स को काफी पसंद आ रहा है। ब्राइट कलर्स के प्लेन जेगिंग्स को जहां टॉप के अलावा शॉर्ट कुर्तीज के साथ पहना जा सकता है, वहीं प्रिंटेड जेगिंग्स को सैंडो टी-शर्टस, शॉर्ट शर्ट्स और कंट्रास्ट टॉप्स के साथ पहना जा सकता है। अनगिनत वैरायटी के कारण ही जेगिंग्स यंग गर्ल्स की पहली पसंद बनी हुई है।

फैब्रिक

जेगिंग्स ज्यादातर पतले डेनिम फैब्रिक में मिलती है। इस तरह की जेगिंग बेहद कंफर्टेबल है और धोने के बाद जल्द ही सूख भी जाती है। हालांकि आजकल डेनिम के अलावा स्ट्रेचेबल लेदर से बनी जेगिंग्स भी मार्केट में मिल रही है। कॉलेज से लेकर पार्टिज तक इसे कहीं भी पहना जा सकता है।

स्लिम फिटिंग

आजकल स्लिम फिटिंग जेगिंग्स का फैशन है। जेगिंग्स का टाइट फिटिंग पैटर्न स्लिम दिखने में भी मदद करता है। चूंकि यह बेहद फलेग्जिबल होता है, इसलिए टाइट फिट होते हुए भी इसमें आराम मिलता है।

यूं करें कैरी

चूंकि जेगिंग्स, लेगिंग्स और जींस दोनों का कॉम्बिनेशन है, इसलिए यह हर उस टॉप या कुत्रे के साथ फबती है, जिसे लेगिंग्स और जींस के साथ पहना जाता है। इसे आप कैजुअल और फॉर्मल वियर दोनों ही रूपों में कैरी कर सकती हैं। आप चाहें तो लूज फिटिंग टॉप और सैंडल्स के साथ इन्हें पहनें या फिर एक सिंपल ट्यूनिक और चप्पलों के साथ-साथ, हाथों में घड़ी या वुडन बैंगल्स भी शानदार लुक देगा। इसके अलावा यह हाई हील सैंडिंल्स या फिर लॉग बूट के साथ भी बढ़िया दिखाई देगी। सर्दी, गर्मी और बारिश हर मौसम के लिए यह एकदम परफेक्ट है।

साइज व कीमत

जहां तक साइज की बात है तो जेगिंग्स में कई सारे ऑप्शंस हैं। आप हेल्दी हैं या स्लिम, हर साइज की जेगिंग मार्केट में उपलब्ध है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि यह आपके फिजिक के अनुसार ही स्ट्रेच हो जाती है। कंफर्टेबल होने के कारण ही इसे कॉलेज गोइंग गर्ल्स से लेकर प्रोफेशनल्स तक अपने वार्डरोब का हिस्सा बना रही हैं। प्लेन जेगिंग्स 700 रुपये से लेकर 1100 रुपये तक और प्रिंटेड जेगिंग्स 1000 रुपये से लेकर 1500 रुपये तक में मार्केट में आसानी से मिल जाएगी।

खाना-खजाना

पनीर कुल्चा

सामग्री: नान के लिए : 2 कप मैदा, 1/2 टीस्पून बेकिंग पाउडर, 1/4 टीस्पून सोडा बायकाबरेनेट, 1/2 टीस्पून नमक, 1 टीस्पून चीनी, 1/2 कप दूध, 1 टेबलस्पून दही, 3 टेबलस्पून तेल, आवश्यकतानुसार पिघला शुद्ध घी। भरावन के लिए: 200 ग्राम पनीर कद्दूकस किया, 2 हरी मिर्च बारीक कटी, 2 टेबलस्पून ताजी धनिया पत्ती (बारीक कटी), नमक स्वादानुसार।

विधि : मैदे में बेकिंग पाउडर, सोडा बायकाबरेनेट और नमक मिलाएं। चीनी, दूध, दही और एक चौथाई कप पानी डाल डाल कर मध्यम आधा गूंथ लें। आधे पर ऊपर से हल्का तेल लगाकर गीले कपड़े में लपेट कर एक घंटे के लिए रख दें। आटे के चार बराबर भाग कर बॉल का आकार दें। बाउल में पनीर, हरी मिर्च, धनिया पत्ती और नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसके भी चार बराबर भाग करें। अवन को 180 डिग्री से./350डिग्री फ./गैस मार्क 4 प्री हीट करें। आटे के गोलों को हल्का मैदा लगे वर्कटॉप पर रखें और हल्के से चपटा करें। पनीर का एक भाग इसके बीच में रखें। किनारों को चिपका कर दबा दें। गीले कपड़े से ढक कर पांच मिनट के लिए अलग करें। प्रत्येक बॉल को हथेली से दबाएं और नौ इंच गोलाई का कुल्चा तैयार करें। कुल्चे को बेकिंग ट्रे पर रखें और प्रीहीटेड अवन में 15 मिनट तक बेक करें। इसे आप तवे पर दोनों ओर पकने तक पका सकती हैं। विकल्प के रूप में कुल्चे को मोटे क्लाथ पैड पर रख कर गर्म तंदूर की दीवार पर भी दबा कर तीन से चार मिनट तक पका सकती हैं। आंच से निकालकर घी लगाकर गर्मागर्म परोसें।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आतंकियों के सपोर्ट में उतरी मिया खलीफा, लोगों ने जमकर लगाई क्लास

लंदन। इजराइल में एक ओर जहां आतंकियों द्वारा महिलाओं को हवस का शिकार बनाया जा रहा है वहीं इस क्रूरता की पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। लेकिन इस बीच एडल्ट स्टार मिया खलीफा फलस्तीनी आतंकवादियों का सपोर्ट कर रही है। मिया लगातार फिलिस्तीन के पक्ष में ट्वीट कर रही हैं। उनका कहना है कि इजराइल, फिलिस्तीन में बच्चे, बूढ़े और महिलाओं पर लगातार जुल्म कर रहा है और उन्हें अपने निशाने पर ले रहा है। फिलिस्तीन के समर्थन में मिया ने एक वीडियो ट्वीट कर कहा कि फिलिस्तीन में जो लोग रेफ्यूजी कैंप में रह रहे हैं उनकी स्थिति बहुत दयनीय है। उनमें रह रही 42 प्रतिशत आबादी उन बच्चों की है जो 15 साल या उससे कम हैं। इसके अलावा मिया ने अपने वीडियो में कहा है कि फिलिस्तीन का इतिहास लाखों साल पुराना है बावजूद इसके हम उनका नरसंहार देख रहे हैं और इसपर कोई कुछ नहीं बोल रहा है। फिलिस्तीन मुद्दे को लेकर मिया लगातार माइक्रो ब्लॉगिंग वेबसाइट एक्स पर ट्विट कर रही है। यहां गौरतलब है कि बीते दिनों ही उन्होंने ट्वीट किया था कि, यदि आप फ़िलिस्तीन की स्थिति को देख सकते हैं और फ़िलिस्तीनियों के पक्ष में नहीं हैं, तो आप ग़लत पक्ष का साथ दे रहे हैं और इतिहास समय आने पर आपको यह दिखाएगा। मिया के इस ट्वीट पर यूजर्स ने भी उन्हें घेरते हुए कई सवाल पूछे, आखिर उनकी इंसानियत की ये बातें तब कहां थीं जब हमास के आतंकी निर्दोष लोगों के साथ बर्बरता कर रहे थे। गौरतलब है कि हमास की इस कायराना हरकत पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि हम गाजा पट्टी को मिटटी में मिला देंगे। इस बीच, हमास और एक छोटे 'इस्लामिक जिहाद' समूह ने इजराइल से 130 से अधिक लोगों को बंधक बनाने और उन्हें गाजा लाए जाने का दावा किया है।

कैंसर की मिली चमत्कारिक दवा, 6 महीने में ठीक हुई महिला

वेल्स। यदि सबकुछ ठीक रहा तो आने वाले समय में कैंसर भी जुकाम बुखार की तरह सामान्य दवा से ही ठीक हो जाएगा। कुछ इसी तरह की एक दवा तैयार की गई है जिसका परीक्षण चल रहा है। इसी दवा की परिणाम है कि मात्र 6 महीने में ही एक महिला के तीसरी स्टेज का कैंसर पूरी तरह ठीक हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कैरी डाउनी को आंत का स्टेज तीन कैंसर डोस्टारलिमैब दवा लेने के छह महीने के भीतर गायब हो गया। 42 वर्षीय डाउनी को एक साल पहले कैंसर होने के बारे में पता चला था। इसके बाद उन्हें छह महीने के लिए डोस्टरलिमैब इम्यूनोथेरेपी दिया गया था। स्वानसी बे यूनिवर्सिटी हेल्थ बोर्ड ने एक बयान में कहा कि दवा देने के बाद टेस्ट में पता चला कि उनका कैंसर पूरी तरह से ठीक हो चुका है। उनके उपचार के दौरान स्कैन से पता चला कि उनका ट्यूमर काफी ज्यादा सिकुड़ गया था और अंत में उनका कैंसर पूरी तरह से खत्म हो गया। उन्होंने आगे कहा 'मैं डॉ. बैरिंगटन और उनकी टीम की बहुत आभारी हूं कि मुझे मौका मिला और उन्होंने उत्तरिवर्तन पर ध्यान दिया और इन नए उपचारों को देखा। डोस्टारलिमैब इम्यूनोथेरेपी का एक रूप है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर को नष्ट करने में मदद करती है। हालांकि इसका अभी भी क्लिनिकल ट्रायल किया जा रहा है। सर्जरी, रेडियोथेरेपी या कीमोथेरेपी से बचने में यह पहले ही उल्लेखनीय परिणाम दिखा रहा है। बता दें कि डाउनी को पिछले हर्निया ट्रांसप्लांट के कारण दर्द हो रहा था। जांच के दौरान डॉक्टरों को उनके कैंसर के बारे में मालूम पड़ा। उन्हें स्वानसी में सिंगलटन अस्पताल के ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. क्रेग बैरिंगटन के पास भेजा गया, उन्होंने ही महिला को डोस्टारलिमैब देना निर्धारित किया था। छह महीने के लिए महिला डोस्टारलिमैब दिया गया।

इजराइल पर हुए हमले 10 नेपाली छात्रों की मौत 11 लापता

काठमाण्डू। इजराइल पर हुए हमले में नेपाल के 10 छात्रों की मौत हो गई है। इसराइल और हमास के बीच शनिवार से जारी हमलों में अब तक 1000 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2000 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं। इजराइल में नेपाल दूतावास के अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि नेपाल के कई छात्र इजराइल में फंसे हुए हैं। हमास हमले के बाद इजराइल ने सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का आदेश दिया है। इससे पहले नेपाल के विदेश मंत्री एन पी सऊद ने रविवार को कहा कि इजराइल में पढ़ाई कर रहे चार नेपाली छात्र आतंकवादी समूह हमास के हमले में घायल हुए हैं जबकि 11 छात्र लापता हैं। मंत्री ने कहा कि इजराइल के दक्षिणी हिस्से में पढ़ाई कर रहे लापता छात्रों के हताहत होने की आशंका है। गाजा पट्टी पर शासन करने वाले हमास ने शनिवार सुबह इजराइल के दक्षिण में हवा, भूमि और समुद्र से अचानक हमला कर दिया था। इजराइल में सैनिकों समेत कम से कम 1000 लोग मारे गए हैं और 2000 से अधिक घायल हुए हैं। इसे बीते 50 साल में देश में हुआ सबसे भीषण हमला माना जा रहा है। सऊद ने कहा कि 11 नेपाली छात्रों से संपर्क स्थापित नहीं हो सका जिनके हताहत होने की आशंका है। हताहतों की सही संख्या का पता लगाने की हम कोशिश कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार ''सीखो और कमाओ कार्यक्रम के तहत 17 नेपाली छात्र दक्षिणी इजराइल के कुबुज अलुमिम में रह रहे थे। उनमें से दो छात्र सुरक्षित निकलने में सफल रहे जब ?कि तीन छात्र घायल हो गए। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि घायल नेपाली छात्रों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। फिलहाल 4,500 नेपाली इजराइल में काम कर रहे हैं वहीं 265 नेपाली छात्र ''सीखो और कमाओ योजना के तहत विभिन्न कृषि कंपनियों में काम कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने हमास आतंकवादी समूह द्वारा इजराइल में किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नेपाल सरकार ने घटना को गंभीरता से लिया है। मंत्रालय के अनुसार, नेपाल सरकार ने विदेश मंत्री सऊद की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है जिसका उद्देश्य इजराइल में मौजूद नेपाली नागरिकों को बचाना है। सऊद ने रविवार को संसद को बताया, कि यह समिति लगातार स्थिति की निगरानी करेगी, नेपाली नागरिकों के सामने आने वाली स्थितियों का मूल्यांकन के साथ ही बचाव कार्यों के संबंध में आवश्यक निर्णय लेगी और प्रभावी ढंग से समन्वय एवं सहयोग करेगी।

अफगानिस्तान में भूकंप से दो हजार से अधिक लोगों की मौत

काबुल। पश्चिमी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप के कारण दो हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है। तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। लोगों ने चट्टानों और मलबे पर चढ़कर मृतकों और घायलों को निकालने का प्रयास किया। भूकंप से कई गांव तबाह हो गए और शव ढहे मकानों के मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। यह देश में दो दशकों में आए सबसे विनाशकारी भूकंप में से एक है। देश के राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण ने बताया कि पश्चिमी अफगानिस्तान में शनिवार को आए 6.3 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप और इसके बाद के झटकों से मची तबाही में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता ने रविवार को मृतकों की संख्या बताई है, यदि इसकी पुष्टि हो जाती है, तो यह दो दशकों में देश में आए सबसे घातक भूकंपों में से एक होगा। इससे पहले, जून 2022 में पूर्वी अफगानिस्तान के पर्वतीय क्षेत्र में आए शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 1,000 लोगों की मौत हो गई थी। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र हेरात शहर से करीब 40 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित था। इसके बाद 6.3, 5.9 और 5.5 तीव्रता वाले भूकंप के तीन झटके भी महसूस किए गए। सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रयान ने बताया कि हेरात में भूकंप में मारे गए लोगों की संख्या शुरुआत में बताई गई संख्या से कहीं अधिक है। उन्होंने तत्काल मदद की अपील करते हुए बताया कि कई गांव तबाह हो गए हैं और सैकड़ों लोग मलबे में दबे हुए हैं। रयान ने कहा, ''भूकंप से 2,060 लोगों की मौत हुई है, 1,240 लोग घायल हुए हैं और 1,320 मकान पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं।'' संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी ने क्षेत्रीय अस्पताल में चिकित्सक और मनोवैज्ञानिक सहायता परामर्शदाता के साथ चार एम्बुलेंस तैनात की हैं। एजेंसी के अनुसार, 'डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' ने हेरात क्षेत्रीय अस्पताल में 80 रोगियों को समायोजित करने के लिए पांच चिकित्सा तंबू स्थापित किए। अधिकारियों ने 300 से अधिक रोगियों का इलाज किया है। 'अफगान रेड क्रिसेंट सोसाइटी' के प्रवक्ता इरफानुल्ला शराफजई ने कहा कि सात दल बचाव प्रयास में जुटे हैं, जबकि अन्य दल आसपास के आठ प्रांतों से आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों के मकान नष्ट हो गये हैं, उन्हें फिलहाल आश्रय की जरूरत है।

पश्चिम एशिया तक फैला युद्ध तो भारत पर भी दिखेगा असर, अर्थव्यवस्था को क्या होगा नुकसान?

वाशिंगटन (एजेंसी)। इज़राइल और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच चल रहे युद्ध की वजह से मध्य पूर्व की भू-राजनीतिक स्थिरता पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। कच्चे तेल पर निर्भरता और इजराइल के साथ मजबूत व्यापार संबंधों को देखते हुए यह घटनाक्रम न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बल्कि भारत के लिए भी चिंताजनक है। घरेलू शेयर बाजार के निवेशक पहले से ही चल रहे संघर्ष से डरे हुए हैं, विशेषज्ञों का कहना है कि आगे कोई भी तनाव व्यापक भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है

महंगा कच्चा तेल, ऊंची महंगाई

इस संघर्ष का तत्काल प्रभाव तेल की कीमतों इजाफे के रूप में देखने को मिलेगा। अब, इससे भारत पर गहरा असर पड़ रहा है क्योंकि यह कच्चे तेल का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है। जब तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो अक्सर हर चीज की कीमतें बढ़ जाती हैं और यह उस देश के लिए अच्छी खबर नहीं है जो तेल आयात पर बहुत अधिक निर्भर करता है। यह मुद्रास्फीति को बढ़ा सकता है और आर्थिक विकास को धीमा कर सकता है। मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक पल्का अरोड़ा चोपड़ा ने कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ते भूराजनीतिक जोखिम से तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। इसका तेल बाजारों पर स्थायी और महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप संभावित रूप से तेल आपूर्ति में निरंतर कमी आ सकती है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से घरेलू मुद्रास्फीति प्रभावित हो सकती है और ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं।

व्यापार संबंधी जटिलताएँ

इज़राइल के साथ भारत के घनिष्ठ संबंध कहानी में एक मोड़ जोड़ते हैं। इज़राइल भारत के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार भागीदार है, जो एशिया में तीसरा सबसे बड़ा और विश्व स्तर पर दसवें स्थान पर है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, जल, आईटी और दूरसंचार जैसे कई क्षेत्रों में विविध हो गया है। भारत से इज़राइल को होने वाले प्रमुख निर्यातों में कीमती पत्थर और धातुएँ, रासायनिक उत्पाद और वस्त्र शामिल हैं। दूसरी ओर, इज़राइल से भारत को होने वाले प्रमुख निर्यात में मोती और कीमती पत्थर, रासायनिक और खनिज/उर्वरक उत्पाद, मशीनरी और विद्युत उपकरण, पेट्रोलियम तेल, रक्षा, मशीनरी और परिवहन उपकरण शामिल हैं।

अमेरिकी अर्थशास्त्री क्लाउडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का नोबेल

स्टॉकहोम। अमेरिकी अर्थशास्त्री क्लाउडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का नोबेल कहा जाने वाला स्वेरिगेस रिक्सबैंक पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज की ओर से घोषणा की गई कि महिलाओं के श्रम बाजार के परिणामों के बारे में हमारी समझ को उन्नत करने के लिए गोल्डिन को यह सम्मान दिया गया है। अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में हर वर्ष स्वेरिगेस रिक्सबैंक पुरस्कार दिया जाता है। इसे अर्थशास्त्र का नोबेल भी कहा जाता है। वर्ष 2023 के लिए यह पुरस्कार अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर क्लाउडिया गोल्डिन को देने का निर्णय हुआ है। गोल्डिन का जन्म वर्ष 1946 में न्यूयार्क में हुआ था। गोल्डिन ने सदियों से महिलाओं की कमाई और श्रम बाजार में भागीदारी का पहला व्यापक विवरण प्रदान किया। उनके शोध से परिवर्तन के कारणों के साथ-साथ शेष लिंग अंतर के मुख्य स्रोतों का भी पता चलता है। क्लाउडिया गोल्डिन के शोध निष्कर्षों में कहा गया है कि वैश्विक श्रम बाजार में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है और जब वे काम करती हैं तो पुरुषों की तुलना में कम कमाती हैं। उन्होंने अमेरिका से 200 वर्षों से अधिक का डेटा एकत्र किया है, जिससे उन्हें यह प्रदर्शित करने की अनुमति मिली है कि समय के साथ कमाई और रोजगार दरों में लिंग अंतर कैसे और क्यों बदल गया है। गोल्डिन ने दिखाया कि इस पूरी अवधि में श्रम बाजार में महिला भागीदारी में ऊपर की ओर रुझान नहीं था, बल्कि एक यू-आकार का वक्र बना। उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में कृषि प्रधान समाज से औद्योगिक समाज में परिवर्तन के साथ विवाहित महिलाओं की भागीदारी कम हो गई, लेकिन फिर बीसवीं सदी की शुरुआत में सेवा क्षेत्र के विकास के साथ इसमें वृद्धि होने लगी। गोल्डिन ने इस पैटर्न को घर और परिवार के लिए महिलाओं की जिम्मेदारियों के संबंध में संरचनात्मक परिवर्तन और विकसित हो रहे सामाजिक मानदंडों के परिणाम के रूप में समझाया।

इज़राइल -हमास संघर्ष बढ़ता देख एक्टिव हुआ ईरान, बुलाई इस्लामिक देशों की संस्था की बैठक

यरुशलम (एजेंसी)। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ईरान ने इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की एक आपातकालीन बैठक बुलाई है क्योंकि इज़राइल पर सप्ताहांत के हमले के बाद हमास और इजरायली बलों के बीच लड़ाई तेज हो गई है। 400 से ज्यादा फिलिस्तीनी भी मारे गए हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि इज़राइल पर नवीनतम हमलों के पीछे ईरान का हाथ था, लेकिन उन्होंने कहा कि तेहरान और हमास के बीच लंबे समय से संबंध हैं। कनानी ने कहा कि जो कोई भी इस्लामी गणतंत्र ईरान को धमकी देता है उसे पता होना चाहिए कि किसी भी मूर्खतापूर्ण कार्रवाई का विनाशकारी जवाब दिया जाएगा। फ़िलिस्तीनी समूहों को ईरान का समर्थन मिलिशिया और सशस्त्र समूहों के एक व्यापक नेटवर्क का हिस्सा है जिसे वह पूरे मध्य पूर्व में समर्थन देता है, जिससे तेहरान को लेबनान, सीरिया, इराक और यमन के साथ-साथ गाजा में भी एक शक्तिशाली उपस्थिति मिलती है।

हमास का हमला, दशकों में इज़राइल में सबसे बड़ी घुसपैठ, वाशिंगटन और रियाद के बीच रक्षा सौदे के बदले में सऊदी अरब को इज़राइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए प्रेरित करने के लिए अमेरिका समर्थित कदमों से मेल खाता है। इस तरह के कदम से तेहरान के साथ सऊदी अरब के हालिया मेलजोल पर ब्रेक लग जाएगा।

इजराइली महिलाओं से दुष्कर्म और बंधक बच्चों को हथियार बना रहे हमास आतंकी

यरुशलम। इजराइल पर हमला करने वाले हमास आतंकी इजराइली महिलाओं से दुष्कर्म और बंधक बच्चों को हथियार बना रहे हैं। हमास आतंकी महिलाओं से दुष्कर्म करने के साथ ही बच्चों को बंधक बनाकर उन्हें जानवरों की तरह पिंजरों में कैद किये हुए हैं। इजराइल पर हमास के हमले के बाद आम इजराइली नागरिकों पर सर्वाधिक गाज गिरी है। इजराइली सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने बताया कि गाजा पट्टी में हमास ने कई इजराइली नागरिकों को बंधक बनाकर रखा हुआ है, जिसमें महिलाओं के साथ भारी संख्या में बच्चे भी हैं। इजराइली वॉर रूम ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा है कि हमास ने भारी संख्या में महिलाओं को बंधक बनाया हुआ है। इस बात की पुष्टि भी हुई है कि हमास के आतंकी दुष्कर्म को युद्ध के हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। हमास के प्रवक्ता ने बयान में यह भी कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जितना सोच रहे हैं, बंधकों की संख्या उससे कई ज्यादा है।

हमास का खात्मा जरूरी...निक्की हेली ने कहा- इजारयल के साथ जो हुआ वो यूएस में भी हो सकता है

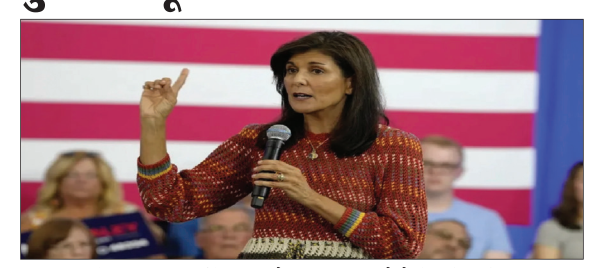

वाशिंगटन (एजेंसी)। दो रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों निक्की हेली और विवेक रामास्वामी सहित प्रसिद्ध भारतीय अमेरिकियों ने हमास आतंकवादी समूह द्वारा इजरायल पर अभूतपूर्व हमलों के बाद इजरायल के समर्थन में रैली की है। फ़िलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास ने शनिवार को दक्षिणी इज़राइल में रॉकेट हमलों की झड़ी लगा दी, जिसमें सैनिकों सहित 600 से अधिक लोग मारे गए और 1,900 से अधिक घायल हो गए। जवाब में इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने हमास के प्रमुख बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए कई हवाई हमले किए। दोनों पक्षों के बीच दशकों में सबसे बड़े तनाव में इज़राइल और गाजा में लगभग 1,000 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। निक्की हेली ने कहा कि हमास और उसका समर्थन करने वाले ईरानी शासन इज़राइल को मौत, अमेरिका को मौत के नारे लगा रहे थे। यही हमें याद रखना है। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हेली ने रविवार को एनबीसी न्यूज को बताया,कि हम इजराइल के साथ एकजुट हैं क्योंकि हमास, हिजबुल्लाह, हौथिस और ईरानी समर्थक हमसे नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें यह याद रखना होगा कि इजराइल के साथ जो हुआ वह यहां अमेरिका में भी हो सकता है। और मुझे उम्मीद है कि हम सभी एकजुट होंगे और इज़राइल के साथ खड़े होंगे क्योंकि उन्हें वास्तव में इस समय हमारी ज़रूरत है।

पाकिस्तान, चीन 'सीपेक' में तीसरे पक्षों को भागीदारी के लिए आमंत्रित करेंगे: पाकिस्तानी राजदूत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और चीन 60 अरब डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपेक) में भागीदारी के लिए तीसरे पक्षों को आमंत्रित करने पर राजी हो गये हैं। पाकिस्तान के एक शीर्ष राजनयिक ने यह जानकारी दी। यह गलियारा चीन की महत्वाकांक्षी 'बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव' का अहम हिस्सा है। पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान' ने बताया कि चीन में पाकिस्तान के राजदूत मोइनुल हक ने चीन के आधिकारिक टेलीविजन 'सीसीटीवी' को रविवार को बताया कि दोनों देश अब सीपेक का अफगानिस्तान तक विस्तार करने पर काम कर रहे हैं। भारत, चीन में शिनजियांग प्रांत को पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह तक जोड़ने वाले सीपेक का कड़ा विरोध करता है क्योंकि यह, कश्मीर के उस हिस्से से होकर गुजरता है जिस पर पाकिस्तान का कब्जा है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को शिनजियांग प्रांत से जोड़ने वाला सीपेक चीन की अरबों रुपये की महत्वाकांक्षी 'बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव' (बीआरआई) परियोजना का हिस्सा है। बीआरआई को दुनियाभर में चीन द्वारा वित्त पोषित बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के साथ विदेशों में अपना प्रभाव बढ़ाने के बीजिंग के प्रयास के रूप में देखा जाता है। पाकिस्तानी राजदूत ने कहा कि सीपेक देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए 'परिवर्तनकारी और बहुत महत्वपूर्ण' रहा है। चीन में पाकिस्तान के राजदूत मोइनुल हक ने कहा, 'अब, हम दोनों इस परियोजना में शामिल होने के लिए तीसरे पक्षों को आमंत्रित करने पर सहमत हो गए हैं। हम अब इसका अफगानिस्तान तक विस्तार करने पर काम कर रहे हैं।'

युध्द में भारत का सहयोग लेगा इजरायल, बताया प्रभावशाली देश

गाजा पट्टी (एजेंसी)। हमास के हमले का मुंहतोड़ जवाब इजरायल दे रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि इस संघर्ष में 1100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच इजरायल ने भारत के समर्थन की भी इच्छा जताई है। इजरायल का कहना है कि भारत आतंकवाद की चुनौती को समझता है। फिलहाल, अमेरिका ने इजरायल की मदद करने का ऐलान किया है। इजरायल पर हमास के चरमपंथियों के हमलों के बीच, भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन ने रविवार को कहा कि उनके देश को भारत से बहुत मजबूत समर्थन की आवश्यकता होगी, क्योंकि वह (भारत) एक प्रभावशाली देश है और आतंकवाद की चुनौती को जानता है। गिलोन ने हमास चरमपंथियों के हमलों को बेवजह किया गया हमला और अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि इजरायल इस चुनौती से खुद निपटेगा और अपराधियों को दंडित करेगा।

इजरायली राजदूत ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अब मध्यस्थता का समय नहीं है और अब आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का समय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमास चरमपंथियों के हमले के मद्देनजर शनिवार को इजरायल के प्रति एकजुटता व्यक्त की थी। मोदी ने इजरायल पर हुए हमास के हमले को आतंकवादी हमला करार देते हुए इसकी निंदा की थी। मोदी ने कहा था, इजरायल में आतंकवादी हमलों की खबर से स्तब्ध हूं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं निर्दोष पीड़ित परिवारों के साथ हैं। इस कठिन घड़ी में हम इजरायल के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

इजरायल में किए गए हमास चरमपंथियों के हमलों में 600 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 2,000 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। फिलिस्तीनी अधिकारियों ने बताया कि इजरायल के जवाबी हमलों में गाजा पट्टी में लगभग 500 लोगों की मौत हो गई है। गिलोन ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि इन हमलों के पीछे ईरान का हाथ है और उसने ही हमास को हथियारों की आपूर्ति की। गिलोन ने कहा कि उनके देश को हमारे भारतीय मित्रों के बहुत मजबूत समर्थन की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का एक बहुत प्रभावशाली देश है। यह एक ऐसा देश है, जो आतंकवाद (के दर्द) से परिचित है और इस संकट को समझता है।उन्होंने कहा कि इस समय इजरायल के प्रति भारत का समर्थन अनभिज्ञता के बजाय आतंकवाद की गहरी समझ पर आधारित है। उन्होंने कहा, हमें भारत से बड़ा समर्थन मिला है। गिलोन ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि सबसे पहले, दुनिया के सभी देश सैकड़ों इजरायली नागरिकों, महिलाओं, पुरुषों, बुजुर्गों और बच्चों की अकारण की गई हत्या और अपहरण की घटनाओं की निंदा करेंगे। यह अस्वीकार्य है।

इजरायल पर हमले के पीछे हैं कई किरदार, इस वजह से हुआ 6 अक्टूबर को हमला

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच 6 अक्टूबर से जंग चल रही है। इस युध्द में अमानवीयता की सभी हदें पार हो चुकी है। यहां महिला,बुजुर्ग और बच्चों को बंधक बनाया जा रहा है। हत्याएं की जा रहीं है और लूट हो रही है। इस युध्द में अब तक करीब 1500 लोगों की मौत हो चुकी है। इसकी शुरुआत 6 अक्टूबर को हमास ने अचानक इजरायल पर हमला करके की थी। एक के बाद एक 5000 रॉकेट दागे और इजरायल के सुरक्षा घेरे को तोड़कर बॉर्डर से लगे इलाकों में घुस गए थे। ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि हमास ने हमले की तारीख 6 अक्टूबर ही क्यों चुनी। इसके पीछे भी करीब पांच दशक पुरानी वजह है।

इन दो कारणों से चुना 6 अक्टूबर

6 अक्टूबर को हुए हमले के पीछे के दो मुख्य कारण है। पहला है 1967 कारण बना है और दूसरा 6 अक्टूबर 1973। पहले 1967 में भी अरब देशों के गठबंधन ने ठीक इसी तरह इजरायल के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। गठबंधन में इजिप्ट, सीरिया, जॉर्डन, इराक, सऊदी अरब और कुवैत थे। लेबनान-पाकिस्तान भी इस गठबंधन के साथ खड़े थे। दूसरी तरफ, इजरायल अकेला मैदान में था। 6 दिनों तक चली इस लड़ाई में इजरायल ने अकेले सबको हरा दिया था। पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा जमीन उसके कब्जे में आ गई थी। जॉर्डन को पूर्वी यरुशलम और वेस्ट बैंक से हाथ धोना पड़ा था। तो सीरिया को गोलान हाइट्स गंवाना पड़ा था। इस लड़ाई को ?सिक्स डे वॉर के नाम से जाना जाता है। दूसरा कारण है 6 अक्टूबर 1973। जब अरब मुल्कों के संगठन ने ठीक इसी तरह इजरायल पर अचानक हमला कर दिया था। उस दिन यहूदियों का सबसे पवित्र त्योहार योम किप्पुर था। इजरायली त्योहार के जश्न में डूबे थे और अचानक हुए इस हमले से दंग रह गए थे। बाद में इजरायल ने पलटवार किया। करीब 20 दिन तक चली इस लड़ाई में अरब मुल्कों को मुंह की खानी पड़ी थी। इस लड़ाई को योम किप्पुर युद्ध 1973 के नाम से जानते हैं।

योम किप्पुर युद्ध की वर्षगांठ

6 अक्टूबर 2023 को योम किप्पुर युद्ध की वर्षगांठ थी और लड़ाई को 50 साल पूरे हो रहे थे। साथ ही इजरायली अपने सबसे पवित्र त्योहार को मना रहे थे। रक्षा विशेषज्ञ कहते हैं कि 1967 और 1973 की लड़ाई में इजरायल से मिली शर्मनाक हार को अरब मुल्क आज तक भूल नहीं पाए है।. हमास ने 1973 की लड़ाई के प्रतिरोध के तौर पर इस हमले को अंजाम दिया। साथ ही इस बार भी अरब और इस्लामिक देशों को इस लड़ाई में शामिल होने का न्योता दिया था। इजरायल और हमास की लड़ाई में हिज्बुल्ला भी शामिल हो गया है। हमास की तरह यह भी एक आतंकी संगठन है और इजरायल को अपना कट्टर दुश्मन मानता है। हिजबुल्ला ईरान का समर्थन प्राप्त है और उसके पास हजारों रॉकेट होने की आशंका है। 8 अक्टूबर को हिजबुल्ला ने सीरिया में इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स से सटे 3 इजरायली ठिकानों पर कई रॉकेट दागे और गोलाबारी की है। दोनों देशों के बीच चल रही इस भयानक जंग में अब तक सैकड़ों की मौत हो गई है और सैकड़ों लापता बताए जा रहे है। जबकि घायलों को ठीक से उपचार भी नहीं मिल पा रहा है।

मणिपुर में एक युवक को जिंदा जलाए जाने का भयावह वीडियो आया सामने, आईटीएलएफ के प्रवक्ता ने किया शेयर

इम्फाल । मणिपुर में सामने आया एक व्यक्ति के शरीर को आग लगाने का वीडियो, 4 मई को थौबल जिले में हुई एक घटना का है। पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है। मणिपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 7 सेकंड के वीडियो में जिस व्यक्ति को जलाते हुए देखा जा सकता है, वह कुकी-ज़ोमी समुदाय से है, और यह वीडियो 4 मई को मैतेई बहुल थौबल जिले में हुई एक घटना का है। मणिपुर में हिंसा का दूसरा दिन. पुलिस अधिकारी ने यह भी कहा कि घटना के संबंध में उस वक्त मामला दर्ज कर लिया गया था। 8 अक्टूबर की शाम को संबंधित वीडियो सोशल मीडिया और व्हाट्सएप समूहों पर व्यापक रूप से प्रसारित किया जाने लगा। इसमें काली शर्ट और कैमोफ्लाज प्रिंट पैंट पहने एक आदमी को बाहर जमीन पर बेसुध पड़ा हुआ दिखाया गया है, जिसके चेहरे पर घाव हैं और शरीर में आग लगी हुई है। मणिपुरी में बोलने वाले कई लोगों की आवाजें सुनी जा सकती हैं - हालांकि उनके चेहरे नहीं देखे जा सकते हैं और फ्रेम में केवल दो जोड़ी पैर दिखाई देते हैं - यह कहते हुए कि कोई फोटो या वीडियो नहीं लिया जाए। इसमें तेज शॉट जैसी आवाजें भी हैं जिन्हें बैकग्राउंड में सुना जा सकता है। जुलाई में एक वीडियो सामने आया था जिसमें कुकी-ज़ोमी समुदाय की दो महिलाओं को पुरुषों की भीड़ द्वारा नग्न घुमाया गया और उनका यौन उत्पीड़न किया गया, जिससे पूरे देश में व्यापक आक्रोश हुआ। यह घटना भी 4 मई को नोंगपोक सेकमाई पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में थौबल जिले में हुई थी, और पुलिस अधिकारी ने कहा कि आदमी को जलाने का वीडियो उसी हिंसक घटनाओं की श्रृंखला से है जिसने उस दिन उस क्षेत्र को प्रभावित किया था। पुलिस ने मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया था।

राज ठाकरे ने दी टोल टैक्स बूथों को जलाने की धमकी

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने टोल टैक्स को राज्य का सबसे बड़ा घोटाला करार देते हुए सोमवार को सड़क टोल टैक्स व्यवस्था को खत्म करने की मांग की, ऐसा नहीं करने पर टोल बूथ जलाने की धमकी दी। सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मनसे नेता ने कहा कि बहुत जल्द उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सभी टोल बूथों पर जाएंगे और छोटे वाहनों से टोल टैक्स की वसूली को रोकेंगे। राज ठाकरे ने धमकी दी, 'मैं कुछ दिनों में सीएम एकनाथ शिंदे के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करूंगा और देखूंगा कि क्या प्रतिक्रिया मिलती हैज इसके बाद, मेरे लोग सभी टोल संग्रह चौकियों पर जाएंगे, और यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी छोटे वाहनों से टोल एकत्र न किया जाए। अगर सरकार हमारे खिलाफ कार्रवाई करती है, तो हम उन टोल बूथों को जला देंगे।' मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने दोहराया कि सड़क टोल टैक्स राज्य का सबसे बड़ा घोटाला है, और सवाल किया कि हर साल उन्हीं कंपनियों को टोल संग्रह का ठेका क्यों मिलता रहता है। राज ठाकरे ने कहा, 'हम पहले से ही रोड टैक्स दे रहे हैं, फिर हमें टोल टैक्स भी क्यों देना चाहिए? इन टोल-बूथों से एकत्र किया गया भारी भरकम टोल राजस्व वास्तव में कहां जा रहा है? इसके बावजूद, बिना किसी सुविधा के सड़कों और राजमार्गों की स्थिति दयनीय बनी हुई है।' प्रारंभिक प्रतिक्रिया में, डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि चार पहिया वाहनों सहित सभी छोटे वाहनों को सरकार के निर्देश के अनुसार टोल टैक्स का भुगतान करने से छूट दी गई है। राज ठाकरे ने पिछले तीन दशकों में लगातार सरकारों की आलोचना की, जिन्होंने टोल टैक्स खत्म करने का वादा किया था, लेकिन अब तक इस मामले में कुछ नहीं किया गया है। प्रभाव के लिए अपनी ट्रेडमार्क शैली लाव रे ते वीडियो (वह वीडियो चलाएं) पर लौटते हुए, राज ठाकरे ने दिवंगत गोपीनाथ मुंडे, पूर्व सीएम देवेंद्र फड़नवीस और उद्धव ठाकरे और डिप्टी सीएम अजीत पवार जैसे नेताओं के पुराने वीडियो भी चलाए।

केंद्र कोशिश करेगा किसी बच्चे को कोचिंग की जरुरत नहीं पड़े : प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राजस्थान के कोचिंग हब कोटा में छात्रों द्वारा की जा आत्महत्याओं को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा यह एक संवेदनशील मुद्दा है और छात्रों को तनाव मुक्त रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, इस मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। एक इंटरव्यू में प्रधान ने कहा कि कोई भी जान नहीं जानी चाहिए और केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए पहल कर रहा है कि कोचिंग की आवश्यकता नहीं है और स्कूली शिक्षा पर्याप्त है। इस साल राजस्थान के कोटा में रिकॉर्ड छात्र आत्महत्याओं के बारे में पूछे जाने पर प्रधान ने कहा, 'यह एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। किसी की जान नहीं जानी चाहिए। वे हमारे बच्चे हैं। उनके साथ क्या हो रहा है, इसके बारे में उनके पास परिपक्वता या ज्ञान भी नहीं है। यह छात्रों को तनाव मुक्त रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।' प्रधान ने कहा कि देश में पर्याप्त सकारात्मक मॉडल हैं, प्रौद्योगिकी के माध्यम से, सामाजिक पहुंच के माध्यम से, देखभाल और परामर्श के माध्यम से उन्हें दोहराया जाना चाहिए। एनसीईआरटी इस पर विचार-मंथन कर रहा है, शिक्षा विभाग भी काम कर रहा है। विभिन्न परिपत्रों और दिशानिर्देशों के साथ राज्य सरकार भी आ रही है। लेकिन समाज को इस मुद्दे पर कार्यान्वयन के मोर्चे पर मिलकर काम करने की जरूरत है।

फ्रिज का कंप्रेसर फटने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत

जालंधर। पंजाब के जालंधर जिले के एक मकान में रेफ्रिजरेटर के कंप्रेसर में विस्फोट होने के बाद एक ही परिवार के तीन बच्चों सहित पांच सदस्यों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसा रविवार रात हुआ और फ्रिज के कंप्रेसर में विस्फोट के बाद घर में भीषण आग लग गई। अधिकारी के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों की पहचान यशपाल घई (70), रुचि घई (40), मंशा (14), दीया (12) और अक्षय (10) के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि विस्फोट के सटीक कारण का पता लगाने के लिए नमूने जुटाने के वास्ते फॉरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया है।

आगरा में जेसीबी से कुचल कर मासूम बच्ची की मौत, चालक फरार

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा के थाना ट्रांस यमुना कालोनी क्षेत्र में काम पर लगे एक जेसीबी की चपेट में आने से एक मासूम बच्ची की मौत हो गयी। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि मरने वाली बच्ची की पहचान 14 महीने की खुशी के तौर पर की गयी है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद जेसीबी चालक मौके से भाग निकला, पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जेसीबी को कब्जे में ले लिया है।

अचानक आई बाढ़ ने ले ली 60 से अधिक लोगों की जान, अनेक लोग लापता

गंगटोक। भारतीय सेना के जवानों ने उन लापता सैनिकों की तलाश जारी रखी जो उत्तरी सिक्किम में दक्षिण लोनक झील में बादल फटने के कारण आई अचानक बाढ़ में बह गए थे। सिक्किम को तबाह करने वाली तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ में 60 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि 105 से अधिक लोगों की तलाश जारी है जो अभी भी लापता हैं। इस आपदा में सुरम्य हिमालयी राज्य के चार जिलों में 1,655 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए और 14 पुल बह गए। पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी जिला प्रशासन ने कहा है कि उन्होंने अब तक तीस्ता नदी की निचली धारा से 40 शव बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 10 शवों की पहचान की जा चुकी है। इस बीच, सिक्किम में मरने वालों की संख्या 26 का आंकड़ा पार कर गई है। सिक्किम की जीवन रेखा, राष्ट्रीय राजमार्ग 10, सड़क की सतह और तीस्ता नदी पर कई पुलों के क्षतिग्रस्त होने के कारण अनुपयोगी हो गया है। रंगपो और सिंगताम के बीच विस्तार को खोलने और चौड़ा करने की प्रक्रिया प्रगति पर है। राज्य की राजधानी गंगटोक के लिए वैकल्पिक मार्ग पूर्वी सिक्किम जिले से होकर खुले हैं। हालाँकि, उत्तरी सिक्किम में, मंगन से आगे की सड़कें कट गई हैं। सेना ने उत्तरी सिक्किम के लाचेन, लाचुंग, थांगु और चुंगथांग क्षेत्रों में फंसे 63 विदेशी नागरिकों सहित 1,700 पर्यटकों को अपनी सहायता जारी रखी। उन्हें भोजन, चिकित्सा सहायता और संचार सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। मौसम खराब रहने के कारण सेना पर्यटकों को वहां से निकाले जाने तक सुरक्षित रखने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

'मोदी जी ने ओबीसी के लिए क्या किया', राहुल गांधी बोले- देश के भविष्य के लिए जातीय जनगणना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा अब बड़ा होता दिखाई दे रहा है। कांग्रेस ने अपना पूरा फोकस जाति आधारित गणना पर कर दिया है। इन सब के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर से साफ तौर पर कहा है कि देश के भविष्य के लिए जातीय जनगणना बेहद ही जरूरी है। इसको लेकर कांग्रेस की सीडब्लूसी बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया है। राहुल गांधी ने इस ऐतिहासिक बताया। राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि कांग्रेस पार्टी जातीय जनगणना के काम को पूरा करने के बाद ही छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो कहती है वह करके दिखाती हैं। इसके साथ ही राहुल गांधी ने उम्मीद जताया कि इंडिया गठबंधन की पार्टियों भी इस मामले में कांग्रेस का साथ देंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हम जातीय जनगणना करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में उनकी सरकार है, यहां पर ही जातीय जनगणना कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश जातीय गणना चाहता है। उन्होंने कहा कि हम बीजेपी पर जातीय जनगणना कराने के लिए दबाव डालेंगे क्योंकि देश को इसकी जरूरत है। जहाँ तक I.N.D.I.A ब्लॉक का सवाल है, मुझे लगता है कि अधिकांश पार्टियाँ इसका समर्थन करेंगी। हो सकता है कि कुछ दल ऐसे हों जो इसका समर्थन न करें लेकिन हमें कोई समस्या नहीं है। राहुल ने सवाल करते हुए कहा कि मोदी जी बताएं कि उन्होंने ओबीसी के लिए क्या किया?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पीएम जाति जनगणना करने में असमर्थ हैं। हमारे 4 में से 3 सीएम ओबीसी वर्ग से हैं। बीजेपी के 10 सीएम में से सिर्फ एक सीएम ओबीसी वर्ग से है। भाजपा के 10 मुख्यमंत्रियों में से केवल एक मुख्यमंत्री ओबीसी वर्ग से है। बीजेपी के कितने मुख्यमंत्री ओबीसी वर्ग से हैं? पीएम ओबीसी के लिए नहीं बल्कि उन्हें मुख्य मुद्दों से भटकाने के लिए काम करते हैं।' उन्होंने कहा कि आज दो हिंदुस्तान बन रहे हैं एक अडाणी जी वाला और दूसरा सबका। जातिगत जनगणना साफ दिखाएगा कि हिंदुस्तान में कितने और कौन लोग हैं, हमें यह पता लग जाएगा कि कितने लोग हैं और धन किसके हाथ में हैं। शायद इसमें हमारी भी ग़लती है जो कि हमने पहले नहीं की लेकिन हम उसे पूरा करके दिखाएंगे।

विजयवर्गीय ने कहा, कांग्रेस को वोट देने का मतलब इसे कूड़ेदान में डालना

इंदौर। मध्यप्रदेश की इंदौर-1 सीट से आगामी विधानसभा चुनावों के मैदान में उतरे भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि कांग्रेस को वोट देने का मतलब अपने वोट को घरों में रखे जाने वाले कूड़ेदान में डालना है। कांग्रेस ने विजयवर्गीय के इस बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि दंभ में डूबे विजयवर्गीय मतदाताओं का लगातार अपमान कर रहे हैं जिसका जवाब उन्हें आगामी विधानसभा चुनावों में मिलेगा। विजयवर्गीय ने इन चुनावों की आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले रविवार रात इंदौर में एक कार्यक्रम में कहा, ''आज देश, प्रदेश और शहर को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जरूरत है। देश, प्रदेश और शहर में भाजपा की सरकार है। कांग्रेस को वोट देने का मतलब क्या है? भाजपा महसचिव ने श्रोताओं से पूछे गए इस सवाल का खुद ही जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस को वोट देने का मतलब इसे घर में रखे जाने वाले डस्टबिन (कूड़ेदान) में डालना है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को वोट देने का कोई फायदा ही नहीं है क्योंकि इस पार्टी को न तो विकास करना आता है, न ही उसे संस्कार और संस्कृति की चिंता है। उधर, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला ने कहा, ''दंभ में डूबे विजयवर्गीय राजनीतिक मर्यादा का लगातार उल्लंघन करते हुए मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं। उन्हें इसका जवाब मतदाता आगामी विधानसभा चुनावों में देंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि महात्मा गांधी की विचारधारा पर चलने वाली कांग्रेस भारत की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है जिसने देश को अंग्रेजों से आजाद कराया था।

अब त्योहारों में उपहार स्वरूप चीन का प्रोडक्ट नहीं, बल्कि यूपी का ओडीओपी दिया जाता है: सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के किसी देश में जाते हैं तो वहां के राष्ट्राध्यक्ष को उत्तर प्रदेश के उद्यमियों द्वारा बनाए गए परंपरगात उत्पाद भेंट करते हैं। इससे हमारे हस्तशिल्पियों का सम्मान को बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अब पर्व और त्योहारों में चीन निर्मित प्रोडक्ट नहीं, बल्कि यूपी का ओडीओपी दिया जाता है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के हस्तशिल्पी और कारीगर हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। एक जिला एक उत्पाद और विश्वकर्मा श्रम सम्मान की योजना ने मात्र चार वर्ष में उत्तर प्रदेश के निर्यात को ढाई सौ गुना बढ़ाने में मदद की है।

सीएम योगी ने सोमवार को कार्पेट एक्सपो मार्ट में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला के 45वें संस्करण का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के अंदर कालीन उद्योग का निर्यात लगभग 17 हजार करोड़ का है, इसमें 60 प्रतिशत योगदान उत्तर प्रदेश के तीन जनपद भदोही, मिरजापुर और वाराणसी का है। यही कारण है कि 'टाउन्स ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस टेक' अवार्ड भी भदोही को मिला है। सीएम योगी ने कहा कि नोएडा में आयोजित हुआ इंटरनेशनल ट्रेड शो उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य को प्रदर्शित करने का माध्यम बना था। यह अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला भी उत्तर प्रदेश की क्षमता को प्रदर्शित करने का दूसरा अवसर बनकर हमारे सामने आया है।

सीएम योगी ने कहा कि यह मेला प्रधानमंत्री मोदी के मेकिंग इंडिया और वोकल फॉर लोकर एवं लोकल फॉर ग्लोबल विजन को एक नई ऊंचाई प्रदान करने का अभियान है। उन्होंने कहा कि हमारे हस्तशिल्पियों में हुनर की कमी नहीं थी, लेकिन उन्हें तकनीकि और प्लेटफॉर्म नहीं मिल पा रहा था। हमारी सरकार ने जैसे ही प्रदेश के हस्तिशिल्पियों को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया तो हमारे हस्तशिल्पी वैश्विक मंच पर अपनी धाक जमाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस मेले में 68 देशों के 450 से अधिक खरीदार इसका बड़ा उदाहरण है। सीएम योगी ने कहा कि जी-20 के आयोजन के साथ उत्तर प्रदेश को जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ था। उसमें 40 देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए थे। उसमें बिछने वाली कालीन उत्तर प्रदेश के हस्तशिल्पियों द्वारा निर्मित थी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 20 लाख से अधिक बुनकर हैं। डबल इंजन की सरकार प्रदेश के हस्तशिल्पियों को और कारीगरों का पूरा सहयोग करेगी।

नए कालीन लेबल की हुई लॉन्चिंग

कार्यक्रम में सीएम योगी ने मेला में लगी कालीनों का अवलोकन किया और बटन दबाकर नए कालीन लेबल को लॉन्च किया। इसके साथ ही उन्होंने दो बुनकर महिलाओं को शाल देकर उनका सम्मान किया। इसमें माधुरी देवी और महाजबीन शामिल थीं। माधुरी देवी नवनिर्मित संसद भवन में बिछाई गई हस्तनिर्मित कालीन के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं महाजबीन ने 400 महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के द्वारा आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग कर रही हैं।

विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को दिया चेक

सीएम योगी ने कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक प्रदान किया। उन्होंने ओडीओपी के दो लाभार्थियों को टूल किट और चेक वितरित किया। यही नहीं ओडीओपी मार्जिन मनी योजना के अंतर्गत उन्होंने ने दो लाभार्थियों को दो-दो करोड़ रुपये का चेक प्रदान किया। वहीं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत दो लाभार्थियों को दस-दस लाख रुपये का चेक वितरति किया। इसके अलावा सीएम ने अंतरराष्ट्रीय विपणन सहायता योजना के अंतर्गत दो लाभार्थियों को क्रमशः 5 लाख 34 हजार और 2 लाख 34 हजार का चेक प्रदान किया। साथ ही ओडीओपी विपणन सहायता योजना के अंतर्गत दो लाभार्थियों को क्रमशः 1 लाख सात हजार और 1 लाख पचास हजार का चेक दिया।

कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी, भदोही सांसद डॉ. रमेश चंद बिंद, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, औराई विधायक दीनानाथ भाष्कर, ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गठबंधन बनाने वालों को नहीं मालूम इंडिया का फुलफार्म

इन्दौर/ खरगोन (एजेंसी)। भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म , और राजनीति प्रश्रय रूचि रखने वाले सभी जागरूक और बुद्धिजीवियों के पसंदीदा प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी को सनातन धर्म सहित विभिन्न मुद्दों पर टीवी पर शानदार डिबेट करते आमतौर पर देखा और सुना जाता है, लेकिन जब उन्हें प्रत्यक्ष सुनने का मौका मिला तो खरगोन शहर सहित जिले भर से आए श्रोताओं में अभूतपूर्व उत्साह का माहौल बन गया था। बीटीआई रोड़ स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के हॉल में शहर की छोटी बड़ी जो भी हस्ती हो।जिसे जहां जगह मिली वो वहीं डट गया। अवसर था मध्य प्रदेश कल आज और कल विषय पर आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन का। अपने 40 मिनट के संबोधन में डॉक्टर त्रिवेदी ने सनातन धर्म की वैज्ञानिकता भी बताई और वर्तमान राजनीति में विपक्षी नेता उदयनिधि स्टालिन के द्वारा सनातन धर्म की तुलना कोरोना और डेंगू,मलेरिया से करने पर इंडिया गठबंधन को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा कि जो धर्म और उसकी परंपराए बीमारियों का नाश करती हो। उसमें भी उन्हें बीमारियों का खोट नजर आता है और उसे समाप्त करने की अनर्गल बातें करते है। जबकि सनातन हम नहीं थे तब भी था और हम नहीं होंगे तब भी रहेगा। उन्होंने खरगोन को नवग्रह की नगरी बताते हुए कहा कि मैकाले की शिक्षा और विदेशी शिक्षाविद हमें ग्रहों की जानकारी देते है।

डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जिन लोगों ने इंडिया नाम का गठबंधन बनाया है उन लोगों को ही उसका फुलफार्म नहीं मालूम। हिंदी में पूछ लो तो गुगल पर सर्च करने के बाद भी नहीं बता पाते है। उन्होंने कहा कि हम जब सत्ता में आए तो हमने सोच को बदलने का काम किया।

जब कोई सरकार पूर्व में आती थी तो यही होता था कि वर्ग विशेष को दो लेकिन मोदीजी ने बोला नही सबको दो और मंत्र दिया सबका साथ,सबका विकास। उन्होंने कहा कि 19वी सदी अंग्रेजो की थी,20 वी सदी कांग्रेस की थी लेकिन 21वी सदी भारतबके उज्जवल भविष्य और बीजेपी की होगी।

चंद्रबाबू नायडू को लगा झटका, 3 मामलों में जमानत याचिका खारिज

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने सोमवार को विभिन्न मामलों में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा दायर तीन जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। नायडू ने अमरावती इनर रिंग रोड और अंगल्लू हमले के मामलों में नियमित जमानत याचिका और फाइबरनेट मामले में अग्रिम जमानत याचिका की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था। अमरावती इनर रिंग रोड मामला नायडू के शासन के दौरान कई कंपनियों को कथित तौर पर अनुचित संवर्धन की पेशकश करने के लिए राजधानी शहर अमरावती के मास्टर प्लान, इनर रिंग रोड के संरेखण और बीज राजधानी में ÷हेरफेर÷ करने से संबंधित है।

अंगल्लू मामला अगस्त में टीडीपी प्रमुख द्वारा निकाली गई एक राजनीतिक रैली के दौरान हुए दंगों से जुड़ा है। अन्नामय्या जिले के अंगल्लू और चित्तूर जिले के पुंगनुरु में पथराव, आगजनी और दंगे में टीडीपी और सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी के कई पुलिसकर्मी और समर्थक घायल हो गए। फाइबरनेट मामला एक पसंदीदा कंपनी को 330 करोड़ रुपये के एपी फाइबरनेट प्रोजेक्ट के चरण -1 के तहत कार्य आदेश आवंटित करने में कथित निविदा हेरफेर से संबंधित है। अपराध जांच विभाग ने आरोप लगाया कि टेंडर आवंटित करने से लेकर पूरी परियोजना को पूरा करने तक अनियमितताएं हुईं, जिससे राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ। वर्तमान में नायडू कौशल विकास निगम से कथित तौर पर धन के दुरुपयोग के मामले में राजामहेंद्रवरम केंद्रीय जेल में न्यायिक हिरासत में हैं, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के खजाने को 300 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

चुनावी तारीखों के ऐलान का कांग्रेस और भाजपा ने किया स्वागत, अपनी-अपनी जीत का ठोका दावा

रुद्रप्रयाग। (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने के कार्यक्रम की घोषणा की। छत्तीसगढ़ में चुनाव दो चरणों में होंगे - पहले चरण का मतदान 7 नवंबर को होगा। दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को होगा। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 17 नवंबर को होगा। मिजोरम में मतदान होगा 7 नवंबर को होगा, जबकि राजस्थान में 23 नवंबर और तेलंगाना में 30 नवंबर को एक ही चरण में मतदान होगा। पांचों राज्यों में वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

कांग्रेस और भाजपा ने चुनावी तारीखों का स्वागत किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपनी प्रकिक्रिया दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि 5 राज्यों के चुनावों की घोषणा के साथ भाजपा और उसके साथियों की विदाई का भी उद्घोष हो गया है। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में कांग्रेस पार्टी मज़बूती के साथ जनता के पास जाएगी। जन-कल्याण, सामाजिक न्याय और प्रगतिशील विकास ही कांग्रेस पार्टी की गारन्टी है।

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में दोनों दलों के बीच सीधा मुकाबला है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनावों की घोषणा का स्वागत करता हूं। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से सभी राज्यों में सरकार बनाएगी और आगामी 5 वर्षों के लिए जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कटिबद्ध भाव से काम करेगी। मतदान की तारीखों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। पांच राज्यों के चुनाव महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये अगले साल अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हो रहे हैं। मिजोरम विधानसभा का कार्यकाल 17 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। पूर्वोत्तर राज्य में मिजो नेशनल फ्रंट सत्ता में है। तेलंगाना, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले साल जनवरी में अलग-अलग तारीखों पर खत्म हो रहा है।

15 दिन में लगेंगे दोनों ग्रहण, 14 को सूर्य तो 28 अक्टूबर को होगा चंद्रग्रहण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर महीने में पंद्रह दिनों के अंतराल में सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण दोनों लगने वाले हैं। दरअसल, सूर्य ग्रहण 14 अक्टूबर, शनिवार सर्व पितृ अमावस्या के दिन लगने जा रहा है। वहीं ठीक उसके 15 दिन बाद चंद्र ग्रहण 28 अक्टूबर को लगने जा रहा है। 14 अक्टूबर, बृहस्पतिवार को इस साल का दूसरा सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। यह ग्रहण 14 अक्टूबर को रात 8 बजकर 34 मिनट से शुरू होगा और रात 2 बजकर 25 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा इसलिए इस ग्रहण का सूतक काल नहीं माना जाएगा। यह ग्रहण कन्या राशि और चित्रा नक्षत्र में होगा। यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। साल का दूसरा सूर्यग्रहण दक्षिण अमेरिका के क्षेत्रों को छोड़कर उत्तरी अमेरिका, कनाडा, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड, ग्वाटेमाला, मैक्सिको, अर्जेंटीना, कोलंबिया, क्यूबा, बारबाडोस, पेरु, उरुग्वे, एंटीगुआ, वेनेजुएला, जमैका, हैती, पराग्वे, ब्राजील, डोमिनिका, बहामास, आदि जगहों पर दिखाई देगा। सूर्य ग्रहण लगने से 12 घंटे पहले सूतक काल लग जाता है। सूतक काल में पूजा-पाठ की मनाही होती है। इस अवधि में भगवान की मूर्तियों का स्पर्श नहीं करना चाहिए। लेकिन सूतक काल केवल तभी मान्य होता है, जब सूर्य ग्रहण भारत में दृश्यमान हो।

साल का दूसरा सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। भारत में सूतक काल नहीं लगेगा। जानकारों के मुताबिक, साल का आखिरी और दूसरा चंद्र ग्रहण 28 अक्टूबर की मध्यरात्रि को लगने जा रहा है। यह ग्रहण 29 अक्टूबर को रात 1 बजकर 5 मिनट से शुरू होकर रात 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा, जो भारत में दिखाई देगा। इसलिए सूतक काल भी मान्य होगा। यह यूरोप, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, नॉर्थ अमेरिका, उत्तर व पूर्व दक्षिण अमेरिका, अटलांटिक महासागर, हिन्द महासागर, अंटार्कटिका में भी दिखेगा। यह ग्रहण मेष राशि और अश्विनी नक्षत्र में लगने जा रहा है।

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि यदि सूर्य ग्रहण दर्शनीय ना हो तब भी इसका प्रभाव सभी राशियों पर पड़ता है। इस दौरान कुछ राशियों को सर्वाधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। यह राशियां हैं- मेष, कर्क, तुला और मकर। इन राशियों को सूर्य ग्रहण की अवधि विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। साल का आखिरी चंद्र ग्रहण पूर्ण लगने जा रहा है इसलिए ये काफी पीड़ादायक माना जा रहा है। यह चंद्र ग्रहण मेष, वृषभ, कन्या और मकर राशि के लिए बेहद अशुभ माना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा पदाधिकारी खुद लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं दे पा रहे इसलिए निजी संस्थानों को दे दें ठेका: शोभना केवड़िया

आप का सीएम को पत्र

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आप के द्वारा आरोप लगाया गया है कि सूरत नगर निगम के अधिकारी अपने बहुमत के कारण शहर को नुकसान पहुंचाने वाले ऐसे काम कर रहे हैं। कहा गया है कि नगर पालिका की महामुली जमीन को आधे दाम यानी पानी के दाम पर आवंटित कर आर्थिक साजिश की गयी है. इसलिए नगर पालिका के खजाने को होने वाली वित्तीय हानि को रोकने के लिए सतर्कता जांच कराई जाए और तुरंत आवश्यक कार्रवाई की जाए। आपके द्वारा ऐसे अभ्यावेदन किये जा रहे हैं।

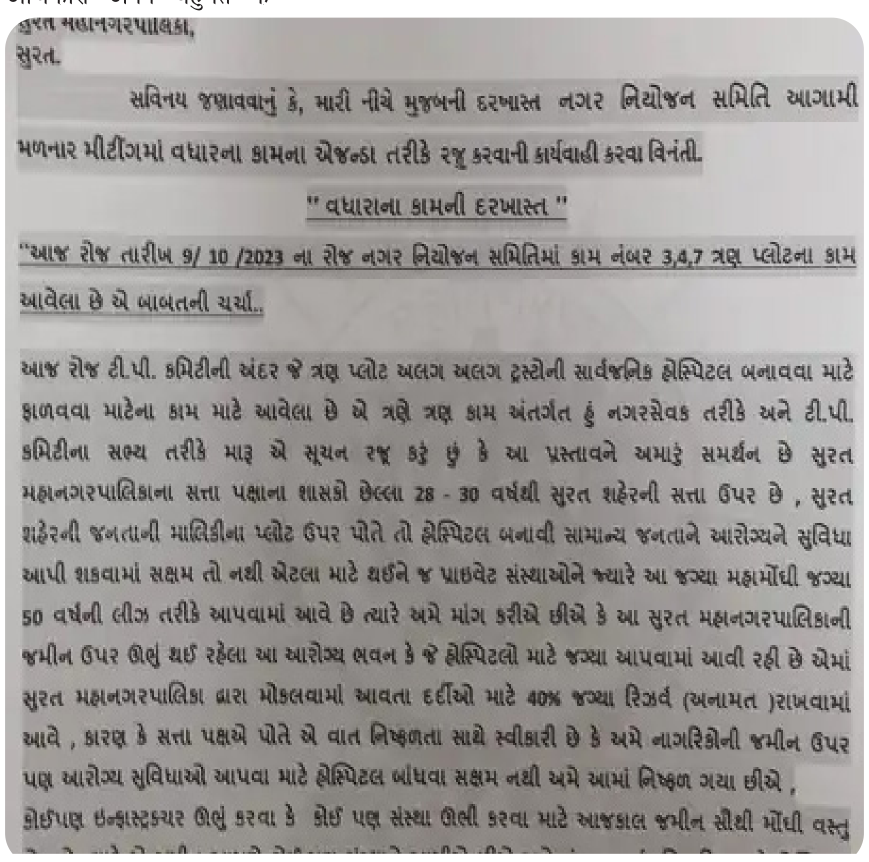
સુરત મહાનગરપાલિકા,
સુરત.

સવિનય જણાવવાનું કે, મારી નીચે મુજબની દરખાસ્ત નગર નિયોજન સમિતિ આગામી મળનાર મીટીંગમાં વધારના કામના એજન્ડા તરીકે રજૂ કરવાની કાર્યવાહી કરવા વિનંતી.

" વધારાના કામની દરખાસ્ત "

"આજ રોજ તારીખ 9/ 10 /2023 ના રોજ નગર નિયોજન સમિતિમાં કામ નંબર 3,4,7 ત્રણ પ્લોટના કામ આવેલા છે એ બાબતની ચર્ચા..

આજ રોજ ટી.પી. કમિટીની અંદર જે ત્રણ પ્લોટ અલગ અલગ ટ્રસ્ટોની સાર્વજનિક હોસ્પિટલ બનાવવા માટે ફાળવવા માટેના કામ માટે આવેલા છે એ ત્રણે ત્રણ કામ અંતર્ગત હું નગરસેવક તરીકે અને ટી.પી. કમિટીના સભ્ય તરીકે મારૂ એ સૂચન રજૂ કરું છું કે આ પ્રસ્તાવને અમારું સમર્થન છે સુરત મહાનગરપાલિકાના સત્તા પક્ષાના શાસકો છેલ્લા 28 - 30 વર્ષથી સુરત શહેરની સત્તા ઉપર છે , સુરત શહેરની જનતાની માલિકીના પ્લોટ ઉપર પોતે તો હોસ્પિટલ બનાવી સામાન્ય જનતાને આરોગ્યને સુવિધા આપી શકવામાં સક્ષમ તો નથી એટલા માટે થઈને જ પ્રાઇવેટ સંસ્થાઓને જ્યારે આ જગ્યા મહામોંઘી જગ્યા 50 વર્ષની લીઝ તરીકે આપવામાં આવે છે ત્યારે અમે માંગ કરીએ છીએ કે આ સુરત મહાનગરપાલિકાની જમીન ઉપર ઊભું થઈ રહેલા આ આરોગ્ય ભવન કે જે હોસ્પિટલો માટે જગ્યા આપવામાં આવી રહી છે એમાં સુરત મહાનગરપાલિકા દ્વારા મોકલવામાં આવતા દર્દીઓ માટે 40% જગ્યા રિઝર્વ (અનામત)રાખવામાં આવે , કારણ કે સત્તા પક્ષએ પોતે એ વાત નિષ્ફળતા સાથે સ્વીકારી છે કે અમે નાગરિકોની જમીન ઉપર પણ આરોગ્ય સુવિધાઓ આપવા માટે હોસ્પિટલ બાંધવા સક્ષમ નથી અમે આમાં નિષ્ફળ ગયા છીએ ,
કોઈપણ ઇન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર ઊભું કરવા કે કોઈ પણ સંસ્થા ઊભી કરવા માટે આજકાલ જમીન સૌથી મોંઘી વસ્તુ

शहर की जनता को लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक टाउन प्लानिंग कमेटी की अगली बैठक के संबंध में टी.पी. समिति की सदस्य शोभनाबेन केवड़िया ने सत्ताधारियों से जनता के हित में फैसला लेने की अपील की और कहा, ''आप जिन तीन भूखंडों को अस्पताल बनाने के लिए अलग-अलग संस्थानों को 50 साल के लिए पट्टे पर देने का प्रस्ताव ला रहे हैं, मैं उसका पूरा समर्थन करती हूं.'' लेकिन, मेरी अपील है कि सूरत नगर निगम द्वारा रेफर किए गए मरीजों को उस अस्पताल में 40% आरक्षण आवंटित किया जाना चाहिए, ताकि शहर के लोगों को इसका सीधा फायदा मिल सके।

शोभनाबेन केवड़िया ने सीधे तौर पर बीजेपी शासकों पर सत्ता के बल पर अपने उपद्रवियों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया और कहा कि 30-30 साल से सत्ता में रहने वाले शासक खुद कुछ नहीं कर सकते, इसलिए संस्थाओं को लीज पर देने की कोशिश कर रहे हैं. सूरत को लाभ मिलना चाहिए । एक अन्य कार्य के बारे में शोभनाबेन केवड़िया ने कहा, बिग वराछा-उतरन टी.पी. 24वां अंत्येष्टि कक्ष नं. व्यावसायिक एवं अंतिम कक्ष के लिए विक्रय योग्य आर 7(158) में 130 सब प्लॉट नं. 2. परिसर के हस्तांतरण हेतु सदर टी.पी. योजना में विविधताएं पेश की गई हैं। जिस कार्य में नगर पालिका को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है, मैं उसका सख्त विरोध करता हूं।

बिल्डरों पर लगाया जा रहा है डेरा शोभनाबेन केवड़िया ने अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी शासक केवल बहुमत के बल पर बाजार मूल्य से आधी कीमत पर जमीनें दे रहे हैं और करोड़ों रुपये का नुकसान उठाने की बारी नगर पालिका की है. भूमि की कीमत प्रति वर्ग मी. अपनी खुद की संपत्ति के लाभ के लिए लगभग आधी कीमत पर 1 लाख रु 60 हजार की कीमत पर.सूरत नगर निगम द्वारा नदी के किनारे खुली जगह आवंटित करने के बदले सरकारी आवास के बगल में आधी कीमत पर जमीन लेकर बिल्डरों को समायोजित किया जा रहा है। जिसका निष्पादन नहीं किया जा सकता है.

नवसारी में ब्रेकअप करना चाह रही लड़की को उसके प्रेमी ने सीढ़ियों से धक्का दिया

घायल लड़की की इलाज के दौरान मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आजकल प्यार की परिभाषा बदल गई है। एक गलतफहमी या ग़लतफ़हमी के कारण लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते का दुखद अंत हो रहा है, नवसारी जिले के मारोली में कुछ ऐसा ही हुआ। जहां 6 महीने के एक प्रेम प्रसंग के बच्चे की मौत हो गई है. किसी वजह से रिश्ता तोड़ना चाह रहे प्रेमी को प्रेमिका ने धक्का देकर नीचे गिरा दिया। इसलिए लड़की को मौत के मुंह में धकेल दिया गया है.

सिलाई क्लास से लड़की को बातचीत के लिए ले गया युवक मरोली के पास दलकी गांव में रहने वाली 20 वर्षीय लड़की का गांव के ही रहने वाले युवक बासित से 6 महीने से प्रेम प्रसंग चल रहा था. हालांकि, लड़की बासित से रिश्ता तोड़ना चाहती थी। वहीं बासित प्रेम संबंध बनाना चाहता था. लड़की महुवर गांव के कस्तूरबा आश्रम में नियमित रूप से सिलाई कक्षा में जाती थी। फिर मंगलवार को भी वह रोजाना की तरह अपनी एक्टिवा पर सिलाई क्लास में गई। इसी दौरान बासित उसे बात करने के बहाने महुवर गांव के मरौली रेलवे स्टेशन के पास फुटओवर ब्रिज पर ले गया। दोनों फुट ओवरब्रिज की सीढ़ियों के पास खड़े होकर बातें करने लगे। तीखी बहस में बासित ने लड़की को सीढ़ियों से धक्का दे दिया, जिससे वह गिर पड़ी और सिर के बायीं तरफ चोट लगने से खून बहने से वह बेहोश हो गयी.

इसी बीच दोपहर डेढ़ बजे लड़की के पिता को सिलाई क्लास से फोन आया कि एक लड़का आपकी लड़की को जबरन बाइक पर बैठाकर ले गया है।

इसलिए चिंतित परिजन उसे ढूंढने निकले तो बच्ची रेलवे स्टेशन की सीढ़ियों के पास लहूलुहान हालत में बेहोश मिली। इसलिए, उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के संबंध में लड़की के पिता ने बासित अब्दुल क्यूम मालेक के खिलाफ मरोली पुलिस में शिकायत दर्ज करायी, पुलिस ने उसके खिलाफ अपहरण, हिंसक हमला और भागने का मामला दर्ज कर जांच की.

सूरत में मोबाइल व्यापारी की अज्ञात व्यक्तियों ने चप्पू से हत्या कर दी

अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत: शहर में अपराध दर बढ़ती जा रही है. हत्या की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं. सूरत शहर में एक मोबाइल एक्सेसरी डीलर अपनी पीठ पर चप्पू,मोबाइल डीलर की मौत इसी बीच उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया और वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.इस घटना का सीसीटीवी सामने आने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है.

प्राप्त विवरण के अनुसार धरगाराम चौधरी की सूरत के पर्वत गांव के पास मोबाइल एसेसरीज की दुकान है। कल रात, रहस्यमय परिस्थितियों में, वह हाउसिंग सोसाइटी के पास खून से लथपथ पाया गया, उसकी पीठ पर चप्पू था। उन्हें तुरंत इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया। जहां कुछ देर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. घटना के सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि कारोबारी पीठ पर चप्पू लगा हुआ पहुंचता है और बाद में वहीं गिर जाता है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरूकर दी है

व्यापारी को गिरता देख आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई और उसे उपचार के लिए स्मीमेर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां कुछ देर इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गोडादरा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मृतक के परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है। उसकी मौत से परिवार में रो-रोकर बुरा हाल है।

इच्छानाथ के पास शिवम अपार्टमेंट के फ्लैट से जिस्मफरोशी का करोबार करते हुए पकड़ा गया

चार लड़कियों को मुक्तकराया गया

ग्राहकों से 5000 रुपये लिए जाते थे, 2000 रुपये लड़की को दिए जाते थे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत क्राइम ब्रांच की IUCAW (महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए जांच इकाइयां) सेल ने उमरा पुलिस सीमा में इच्छानाथ नेहरूनगर के पीछे शिवम अपार्टमेंट के किराए के फ्लैट में एक रैकेट का भंडाफोड़ किया। वहां से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता तक, शिमला के चारों ललनाओं को रिहा कराया।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त विवरण के अनुसार, कांस्टेबल धर्मेशभाई द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर, सेल की टीम ने कल दोपहर इच्छानाथ सोमनाथ महादेव नेहरूनगर के पीछे शिवम अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर फ्लैट नंबर डी/04 पर एक डमी ग्राहक भेजा और सत्यापित किया गया कि वहां बहुत सारे वेश्यालय थे। बाद में IUCAW सेल ने वहां छापा मारा। करी मैनेजर राजूभाई खोदभाई मीठापारा (रेस्ट.सी/1102, सागरसंकुल, पिरामिड टाउनशिप, जहांगीरपुरा, सूरत), 22 वर्षीय मैनेजर गंगाराम धनीराम गोस्वामी, एजेंट हितेंद्रसिंह प्रवीणसिंह परमार (बाकी. वीर सावरकर हाइट्स, उगत कैनाल रोड, सूरत), वहां गांव में रहने वाले 19 वर्षीय रसोइया और सहायक विकास किशोरजी ने गिरि का अपहरण कर लिया. कोलकाता, शिमला के दो लाल को फ्लैट से रिहा कर दिया गया, जबकि दिल्ली और मुंबई के दो लाल बाहर हॉल में बैठे पाए गए। IU-CAW सेल के चार ग्राहक अंकित अशोकभाई कुम्भानी (निवासी कुमकुम रेजीडेंसी, वराछा, सूरत), भौतिक भूपेन्द्रभाई देवानी (निवासी) । सामा सोसायटी, हीराबाग, वराछा, सूरत), चेतीलाल उर्फ चेकितान माधवजीभाई बोर्ड (निवासी वृजराज रेजीडेंसी, सरथाणा, सूरत) और दिव्येश मनुभाई परमार (निवासी संस्कृत हाइट्स, पिपलोद, सूरत) को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 14 हजार रुपये नकद बरामद किये गये। फ्लैट। नौ मोबाइल फोन, 42 कंडोम पाए गए और कुल 1.89 लाख रुपये जब्त किए गए। IUCAW सेल को बाथरूम के बगल में कूड़ेदान से 15 इस्तेमाल किए हुए कंडोम भी मिले।

मैनेजर गंगाराम से पूछताछ करने पर पता चला कि उसके सेठ जयेश काठियावाड़ी, राज और राहुल ने फ्लैट के मालिक महेश से एक फ्लैट किराए पर लिया था और यहां कुटनखा शुरूकर दिया था। प्रति ग्राहक 2 हजार वह ललाना को देता था। IUCAW सेल कुटनखाना के तीन पार्टनर जयेश काठियावाड़ी, राज व राहुल तथा फ्लैट के मालिक महेश को वांछित घोषित कर उमरा थाने में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे